भारत लगातार दूसरी बार डब्ल्यूटीसी के फाइनल में, ऑस्ट्रेलिया से जून में होगा मुकाबला

WTC पॉइंट्स टेबल में टीम इंडिया

2 पोजीशन | 60.29% पॉइंट्स

दैनिक
# सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 209/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 13 मार्च 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

**सांध्यप्रकाश विशेष**

## कैलाश विजयवर्गीय बने चाचा चौधरी और जीतू जिराती दिखे साबू के भेष में!

**इंदौर।** रंगपंचमी के दिन पहले 11 मार्च की रात छोटा गणपति मंदिर मल्हारगंज पर अखिल भारतीय बजरबट्टू हास्य कवि सम्मेलन हुआ। इस अवसर पर सेठ चुन्नीलाल धर्मशाला खूजरी बाजार से शोभायात्रा निकाली गई। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय चाचा चौधरी के वेश में शामिल हुए। वहीं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती साबू बने दिखाई दिए। इस साल इस सम्मेलन के लिए एक विशेष प्रतियोगिता रखी गई थी। इसमें कैलाश विजयवर्गीय क्या बनकर आयोजन में शामिल होंगे, बताने वाले को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके लिए प्रथम पुरस्कार एक लाख 50 हजार, द्वितीय पुरस्कार एक लाख और तृतीय पुरस्कार 50 हजार रुपए रखा गया। यात्रा मार्ग में 150 मंचों से यात्रा का स्वागत किया गया।

## इंदौर पुलिस कमिश्नर के बेटे की एनएलआईयू में रैगिंग, कार्रवाई भी 20 दिन बाद हुई!

**भोपाल।** इंदौर पुलिस कमिश्नर के बेटे के साथ भोपाल की नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में रैगिंग की घटना हुई। इस घटना की जांच के बाद तीन छात्रों को हॉस्टल से निकाल दिया गया है। यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने ये कार्रवाई भी 20 दिन बाद की, जबकि शिकायत के 24 घंटे में कार्रवाई का प्रावधान है।

भोपाल के नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट यूनिवर्सिटी में रैगिंग का हाईप्रोफाइल मामला सामने आया है। बीस दिन बाद कार्रवाई करते हुए यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने तीन सीनियर स्टूडेंट्स को दो साल के लिए हॉस्टल से निकाल दिया। हालांकि, यूजीसी की गाइडलाइन के मुताबिक रैगिंग की शिकायत में 24 घंटे में कार्रवाई होना चाहिए।

19 फरवरी की रात इंदौर के पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्रा के बेटे के साथ रैगिंग हुई थी। तीन सीनियर छात्रों ने उनके हॉस्टल के कमरे में पहुंचकर उसे शराब पीने और पिलाने को कहा। मना करने पर उसके साथ मारपीट भी की गई। बात आगे बढ़ी तो पीड़ित छात्र ने इसकी शिकायत यूजीसी की एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन में की थी। इसके बाद प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने तीन दिन में जांच की और 25 फरवरी को कुलपति डॉ वी विजयकुमार को रिपोर्ट सौंपी। जिन तीन छात्रों को हॉस्टल से निकाला गया है, वे एनएलयूआई की किसी भी गतिविधि में भी भाग नहीं ले सकेंगे।

नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट यूनिवर्सिटी के चीफ वार्डन प्रोफेसर उदयप्रताप सिंह ने कहा है कि रैगिंग मामले में दोनों पक्षों से पूछताछ की गई। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर तीन छात्रों को दोषी पाया गया। इसलिए उन पर कार्रवाई की गई है। उन्हें हॉस्टल से बाहर कर दिया गया है। रिपोर्ट यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन को भी भेज दी गई।

## आईएएस ज्योति यादव बनेगी मंत्री की दुल्हन

**चंडीगढ़।** भगवंत मान की सरकार में शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस इसी महीने शादी करने जा रहे हैं। उनकी दुल्हन बनेगी पंजाब कैडर की 2019 बैच की आईएएस अधिकारी डॉ ज्योति यादव। हरजोत बैंस पंजाब की आनंदपुर साहिब विधानसभा सीट से विधायक है। वे अपने पैतृक स्थान आनंदपुर साहिब में ही शादी करेंगे। ज्योति यादव फ़िलहाल मानसा में पुलिस अधीक्षक के रूप में तैनात हैं। इस महीने 25-26 मार्च को हरजोत बैंस और ज्योति यादव की शादी हो सकती है, इसकी तैयारियां भी शुरू हो गई।

बताया जा रहा है कि दोनों परिवारों की रजामंदी से हरजोत सिंह बैंस और डॉ ज्योति यादव का विवाह होने वाला है। हरजोत बैंस की शादी में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के कई दिग्गज शामिल होंगे। इसके अलावा अन्य पार्टियों की राजनीति हस्तियां भी उनके शादी समारोह में शिरकत कर सकती हैं।

डॉ ज्योति यादव पहले लुधियाना में एडीसीपी भी रह चुकी हैं। उनका परिवार हरियाणा के गुरुग्राम में रहता है। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस की तरह आईपीएस अधिकारी डॉ ज्योति यादव भी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हरजोत सिंह बैंस के जहां इंस्टाग्राम पर 71 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, वहीं आईपीएस ज्योति यादव के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 68 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

**पेशे से वकील हैं हरजोत-** पेशे से वकील 31 साल के हरजोत सिंह बैंस आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य भी हैं। बैंस ने आनंदपुर साहिब विधानसभा सीट से स्पीकर रहे राणा केपी सिंह को 45 हजार से ज्यादा वोटों से हराया था। इससे पहले वो 2017 में लुधियाना की साहनेवाल सीट से चुनाव लड़े थे लेकिन तब वो हार गए थे।

**सरकारी स्कूलों में बच्चों के दाखिले की विशेष मुहिम-** पंजाब के शिक्षा मंत्री अपनी सरकार की ओर से राज्य के सरकारी स्कूलों में बच्चों के दाखिले की विशेष मुहिम चला रहे हैं। एक ट्वीट में उन्होंने जानकारी दी है कि विशेष अभियान के तहत एक दिन में (10 मार्च को) एक लाख बच्चों ने सरकारी स्कूलों में दाखिला लिया। इनमें से कई बच्चे ऐसे हैं जिन्होंने प्राइवेट स्कूलों से नाम कटवाकर सरकारी स्कूलों में दाखिला लिया है।

# कांग्रेस का राजभवन घेराव

### सभा शुरू, कमलनाथ, गोविंद सिंह व अन्य नेता पहुंचे

### दिग्विजय, तन्खा व राजमणि खड़गे की बैठक के लिए दिल्ली में

**भोपाल।** राजधानी में कांग्रेस आज राजभवन का घेराव कर रही है। जवाहर चौक पर कार्यकर्ताओं का जुटना शुरू हो गया है। भदभदा रोड पर चारों ओर से आने वाले कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं का जमावड़ा हो रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी के झंडे और बैनर लिए हुए हैं। प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के साथ ही अन्य नेताओं के होर्डिंग तथा बैनर भी दिख रहे हैं। दूरस्थ इलाकों से आए कार्यकर्ता अपने क्षेत्र के मुद्दों पर भी बैनर लेकर आए हैं।

प्रदेश प्रभारी जेपी अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव, पूर्व मंत्री जीतू पटवारी, विधायक कुणाल चौधरी, रजनीश सिंह, विधायक दिलीप गुर्जर, पूर्व विधायक रामकिशोर दोगने, किसान कांग्रेस के अध्यक्ष दिनेश गुर्जर, मीडिया उपाध्यक्ष संगीता शर्मा, प्रवक्ता संतोष सिंह परिहार आदि नेता प्रदर्शन स्थल पर पहुंच चुके थे। प्रदर्शन में दिग्विजय सिंह, विवेक

तंखा, राजमणि पटेल शामिल नहीं होंगे। वे दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा बुलाई गई बैठक में जा रहे हैं। कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए 500 पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। पुलिस का प्लान है कि कांग्रेस नेताओं को रंगमहल चौराहे पर ही रोक लिया जाए। यहां ही राज्यपाल के नाम ज्ञापन एडीएम भोपाल को दिलाया जाएगा। पुलिस ने राजभवन के पहले ही रंगमहल चौराहा पर बैरिकेड लगा दिए हैं। इसके आगे रोशनपुरा चौराहे पर भी कांग्रेस नेताओं को रोकने के लिए इंतजाम किए गए हैं। पुलिस कांग्रेस नेताओं को रोशनपुरा चौराहे से आगे नहीं बढ़ने देगी। रंगमहल तक कोई बैरिकेड नहीं है। रंगमहल के आगे एलआईसी के सामने अंतिम बैरिकडिंग की गई है।

एडिशनल डीसीपी श्रुतिकीर्ति सोमवंशी ने जवानों को निर्देश दिए- मारपीट नहीं करना है। बैरिकेड क्रॉस करने वालों को धक्का मारकर गिरा दें। कमलनाथ के मीडिया एडवाइजर ने ट्वीट कर लिखा- कार्यकर्ताओं को राजभवन घेराव के कार्यक्रम में आने से जगह-जगह पुलिस और प्रशासन रोक रहा है। दतिया कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामदिनकर गुर्जर ने कहा, दतिया से 500 कार्यकर्ता आए हैं। नरोत्तम मिश्रा के दबाव से दतिया जिले की जनता पीड़ित है। पीसीसी डेलिगेट नितेंद्र राठौर ने कहा, भाजपा की खराब आर्थिक नीति के कारण महंगाई बढ़ रही है।

# लंदन में राहुल के दिए बयान पर संसद में हंगामा

### भाजपा बोली- माफी मांगें, खड़गे ने कहा- देश संविधान के मुताबिक नहीं चल रहा

**नई दिल्ली।** संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार को शुरू होते ही हंगामे की भेंट चढ़ गया। संसद के दोनों सदनों में राहुल गांधी के लंदन में दिए गए बयान को लेकर भाजपा ने माफी की मांग की। इस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- देश संविधान के मुताबिक नहीं चल रहा। हंगामे को देखते हुए दोनों सदनों को दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दिया गया।

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में राहुल गांधी लंदन दौरे पर थे। यहां उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में कहा था कि संसद में माइक बंद कर दिए जाते हैं। विपक्ष अपनी आवाज नहीं रख सकता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का कोई नेता किसी भी यूनिवर्सिटी में बोल नहीं सकता है। भारत में लोकतंत्र पर सीधा प्रहार हो रहा है।

लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में राहुल गांधी से माफी की मांग की गई। लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने लंदन में भारत का अपमान किया है। मैं मांग करता हूं कि उनके बयानों की इस सदन के सभी सदस्यों को निंदा करनी चाहिए। उन्हें सदन के सामने माफी मांगने के लिए कहा जाए। वहीं राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि राहुल ने देश की गरिमा को गिराया है। वह सदन में आकर माफी मांगे। सरकार के एक और मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी पर देशद्रोह का केस चलाने की मांग कर दी।

### खड़गे बोले- राहुल गांधी का बयान अपने हिसाब से पेश कर रही भाजपा

इधर, सत्ता पक्ष के बयान को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी पलटवार किया है। खड़गे ने कहा- भाजपा के नेता खुद लोकतंत्र को कुचल रहे हैं और हर एजेंसी का गलत उपयोग कर रहे हैं। वे देश को एक तानाशाही की तरह चला रहे हैं और फिर ये लोग लोकतंत्र और देशभक्ति की बात करते हैं। हम अडानी शेयरों के मुद्दे पर जेपीसी के गठन की मांग कर रहे हैं। जब हम इस मुद्दे को उठाते हैं तो माइक बंद कर दिया जाता है और सदन में हंगामा शुरू हो जाता है। इसके लिए आज भी हम जेपीसी की मांग कर रहे हैं। राहुल गांधी के बयान को सत्ता पक्ष के लोग अपने हिसाब से तोड़ मरोड़कर पेश कर रहे हैं।

## मप्र विधानसभा: कन्या विवाह योजना में बंटे नकली जेवर, मंत्री ने स्वीकारा, जांच होगी

**भोपाल।** होली और रंगपंचमी की छुट्टियों के बाद मप्र विधानसभा का बजट सत्र आज फिर शुरू हो गया है। प्रश्नकाल के दौरान महेश्वर से कांग्रेस विधायक विजयलक्ष्मी साधो ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में नकली जेवर बांटने का मुद्दा उठाया। संसदीय कार्यमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने जांच का भरोसा दिया।

प्रश्नकाल के दौरान कन्या विवाह योजना में दिए गए सामान पर विजयलक्ष्मी साधो ने सत्ता पक्ष को घेरा। मंत्री गोपाल भार्गव ने बीच में जवाब दिया तो साधो बोलीं- ये उस विभाग के मंत्री नहीं हैं। तरुण भनोट बोले- कैबिनेट मंत्री मीणा सिंह के क्षेत्र में नकली जेवर बंट रहे थे। मंत्री मीना सिंह बोलीं- यदि सामान में गड़बड़ी थी तो हमने वितरित नहीं होने दिया। मीना सिंह ने साधो पर निशाना साधते हुए कहा- इनके क्षेत्र में इनकी सहमति से गड़बड़ सामान बंटा। संसदीय कार्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने उच्चस्तरीय जांच का आश्वासन दिया। साधो ने कहा- जांच में विधायक को शामिल करें। संसदीय कार्य मंत्री बोले- जिन बिंदुओं पर आपत्ति हो लिखकर दे दें। साधो बोलीं- आप बहन-बहन बोलते हो तो बहन को जांच में शामिल करने में क्या दिक्कत है? स्पीकर ने हंगामे पर कहा- संसदीय कार्यमंत्री से अनुरोध करता हूं कि जब जांच हो तो विधायक जी को बुला लें।

विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम की अध्यक्षता में आज कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में सम्पन्न हुई। इसमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह, लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव, गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट सहित सभी सदस्य शामिल हुए।

### कमलनाथ बोले- हमने 27 प्रतिशत आरक्षण दिया

कल्पना वर्मा ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण को लेकर सवाल पूछा। रामखेलावन पटेल बोले- जिन मामलों में हाईकोर्ट ने रोक लगाई, उन 3 विभागों को छोड़कर सभी विभागों में 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। तरुण भनोट बोले- मंत्री दो तरह की बात कर रहे हैं। कह रहे कि हाईकोर्ट ने रोक लगा रखी है, यह भी कह रहे कि 27 प्रतिशत आरक्षण है। मंत्री पटेल बोले- स्कूल शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा और पटवारी भर्ती में हाईकोर्ट की रोक है। कमलनाथ बोले- मैं केवल एक ही बात जानना चाहता हूं कि किन विभागों में 27प्रतिशत आरक्षण लागू है, किन में नहीं? मुझे दिलचस्पी इसलिए है, क्योंकि मैंने मुख्यमंत्री रहते 27 प्रतिशत आरक्षण दिया था।

## मेट्रो ट्रेन के निर्माण का वर्चुअल शुभारंभ

### 31 अगस्त तक भोपाल-इंदौर में मेट्रो की आपूर्ति: भूपेंद्र सिंह

**भोपाल।** गुजरात के बड़ोदरा स्थित सावली में मेट्रो निर्माण के लिए अल्सटाम ट्रांसपोर्ट इंडिया कारखाना लगाने जा रहा है। इसका निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह इस कारखाने का वर्चुअल शुभारंभ किया। इसके बाद मेट्रो ट्रेन का निर्माण शुरु कर दिया जाएगा। 31 अगस्त 2023 तक भोपाल व इंदौर में एक-एक मेट्रो ट्रेन की आपूर्ति शुरु कर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि 31 अगस्त तक इसका ट्रायल पूरा करना है, 31 अगस्त के पहले आप लोग कोच लेकर भोपाल आएंगे, हमें उम्मीद है मुख्यमंत्री और हम आपका स्वागत करेंगे। मुझे विश्वास है कंपनी इसको समय पर पूरा करेगी केंद्र सरकार का पूरा सपोर्ट हमारे साथ है। मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी रविवार को ही सावली पहुंच गए हैं। जहां सुबह विधिवत पूजन के बाद उत्पादन संयंत्र का शुभारंभ किया। इस दौरान उनके साथ प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन नीरज मंडलोई, मेट्रो के प्रबंध संचालक मनीष सिंह, परियोजना निदेशक अजय शर्मा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

भोपाल में 81 कार (डिब्बे) (तीन कारों की 27 ट्रेन) तथा इंदौर में 75 कार (डिब्बे) (3 कारों की 25 ट्रेन) का निर्माण प्रस्तावित है। मेट्रो कार की लंबाई 22 मीटर तथा चौड़ाई 2.9 मीटर होगी। दोनों ही शहरों में मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार 31 सितंबर 2023 से पहले प्रायोरिटी कारिडोर में मेट्रो का ट्रायल रन होना है। जबकि संचालन मार्च 2024 से शुरु होगा। हर 90 सेकंड में मिलेगी मेट्रो यात्रियों को मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन का अधिक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। हर 90 सेकंड में यात्रियों को मेट्रो मिलेगी। पहले चरण में भोपाल में 30.9 किलोमीटर के मार्ग में मेट्रो का संचालन होगा। मेट्रो रेल परियोजना के लिए रोलिंग स्टाक कारों के रखरखाव 15 वर्ष तथा सिग्नलिंग, ट्रेन नियंत्रण और दूरसंचार प्रणालियों के लिए सात वर्ष तक व्यापक रखरखाव करने की जिम्मेदारी निर्माण एजेंसी की होगी।

## सुप्रीम कोर्ट बोला-रक्षा मंत्रालय कानून हाथ में नहीं ले सकता

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने वन रैंक वन पेंशन का बकाया चार किश्तों में भुगतान करने के रक्षा मंत्रालय के आदेश पर तल्ख टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ओआरओपी बकाया के भुगतान पर रक्षा मंत्रालय कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकता। रक्षा मंत्रालय इसके लिए 20 जनवरी को जारी किया अपना नोटिफिकेशन तत्काल वापस ले।

सीजेआई डीवाय चंद्रचूड़ ने कहा- एटॉर्नी जनरल, रक्षा सचिव की

अधिसूचना सीधे तौर पर हमारे आदेशों के खिलाफ है। जब वे 20 तारीख को जारी किया आदेश वापस लेंगे, तभी हम सरकार के आवेदन पर सुनवाई कर सकते हैं। इधर केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि उसने पूर्व सैनिकों को ओआरओपी बकाया की एक किश्त का भुगतान कर दिया है, लेकिन बकाया भुगतान को पूरा करने के लिए कुछ और समय चाहिए। इस पर सीजेआई ने दोबारा कहा- पहले ओआरओपी बकाया के भुगतान पर अपना 20 जनवरी का पत्र वापस लें, फिर हम आपके आवेदन पर और समय के लिए विचार करेंगे।

# ऑस्कर में भारत को पहली बार दो अवॉर्ड

### नाटू-नाटू को बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग, द एलिफेंट व्हिस्परर्स बेस्ट शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री

**लॉस एंजलिस।** 95वीं ऑस्कर सेरेमनी में पहली बार भारत को पहली बार दो अवॉर्ड मिले हैं। फिल्म आरआरआर के गाने नाटू-नाटू ने बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग का अवॉर्ड जीता। वहीं, द एलिफेंट व्हिस्परर्स बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म बनी। हालांकि, डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म ऑल दैट ब्रीथ्स रेस से बाहर हो गई है। ऑस्कर अवॉर्ड में इन तीन कैटेगरी में भारत को नॉमिनेशन मिला था।

नाटू-नाटू को इससे पहले गोल्डन ग्लोब्स अवॉर्ड में बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग का खिताब मिला था। ऑस्कर सेरेमनी में आरआरआर के नाटू-नाटू गाना लिखने वाले चंद्रबोस और कंपोजर एमएम कीरवानी ने ट्रॉफी ली। इस दौरान फिल्म के डायरेक्टर राजामौली पीछे बैठे रहे। आरआरआर का तेलुगु मीनिंग रौद्रम रानम रुधिरम और हिंदी में राइज रोर रिवोल्ट है।

बेस्ट शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री चुनी गई द एलिफेंट व्हिस्परर्स की डायरेक्टर कार्तिकी गोंजाल्विस और प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा ने अवॉर्ड लिया। इस दौरान सेरेमनी में मौजूद दीपिका पादुकोण भावुक हो गईं। वे सेरेमनी के प्रेजेंटर के तौर पर पहुंची थीं। ऑस्कर सेरेमनी की शुरुआत भारतीय समय के मुताबिक सोमवार सुबह साढ़े 5 बजे अमेरिका के लॉस एंजेलस में हुई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर क्रक्रऔर द एलिफेंट व्हिस्परर्स के मेकर्स को बधाई दी है। उन्होंने कहा- असाधारण! 'नाटु नाटु' की लोकप्रियता वैश्विक है। यह एक ऐसा गाना है, जिसे आने वाले सालों तक याद रखा जाएगा। इस सम्मान के लिए एमएम कीरवानी और चंद्रबोस समेत पूरी टीम को बधाई। भारत प्रफुल्लित और गौरवान्वित है।

## मेहरा समाज महिला मंडल द्वारा मनाया होली का उत्सव

**भोपाल।** मेहरा समाज महासंघ महिला मंडल द्वारा होली एवं रंग पंचमी का पर्व मयूर पार्क में मनाया गया। मेहरा समाज महिला मंडल की अध्यक्ष ज्योति मेहरा ने बताया कि महिला मंडल में लगभग 100 महिला सदस्य हैं जिनके द्वारा हर त्योहार खूब धूमधाम से मिलजुल कर मनाया जाता है होली और रंग पंचमी के अवसर पर सभी लोग यहां एकत्रित हुए हैं एवं रंग गुलाल नृत्य गान करते हुए इस उत्सव को मनाया है। मेहरा समाज महिला मंडल अपनी समाज की अन्य महिलाओं के सहयोग एवं उत्थान के लिए भी कार्य करता है आज के इस कार्यक्रम में ज्योति मेहरा के साथ नीलू देहरिया, रेखा किशोरे ,कुसुम दीपा चंदिया,उषा मेहरा, रेखा पवार, प्रीति सहित महिला मंडल की अनेक सदस्य सम्मिलित हुई।

## कलखेड़ा में सरपंच पाराशर के नेतृत्व में निकला रंग पंचमी का जुलूस

**भोपाल।** राजधानी के समीप रातीबड़ स्थित ग्राम कल खेड़ा में रंग पंचमी के अवसर पर ग्राम सरपंच संजय पाराशर के नेतृत्व में रंग पंचमी जुलूस निकाला गया जुलूस शिव मंदिर से प्रारंभ हुआ जिसमें डीजे और ढोल धमाकों पर ग्रामवासी नृत्य करते हुए चल रहे थे संजय पाराशर ने कहा कि ग्राम कल खेड़ा में विकास के कार्य लगातार हो रहे हैं और इस रंग पंचमी के अवसर पर ग्राम वासियों को बहुत खुशी का माहौल है प्रतिवर्ष उनके द्वारा यह रंग पंचमी की जुलूस का आयोजन किया जाता है उन्होंने संजय पाराशर ने रंग पंचमी के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं प्रेषित और कहा कि ईश्वर सभी पर अपना आशीर्वाद बनाए रखे

# संत हिरदाराम रेलवे स्टेशन पर सांसद ने किया पांच ट्रेनों के स्टॉपेज का शुभारंभ

**संत हिरदाराम नगर।** संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर शनिवार से पांच ट्रेनों को हॉल्ट दिया गया है। इसका शुभारंभ सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने भोपाल-दाहोद ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर किया। लंबे समय से रहवासी इन ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग कर रहे थे।

सांसद साध्वी प्रज्ञा और विधायक रामेश्वर शर्मा के प्रयासों से पांच ट्रेनों के स्टॉपेज हो गए हैं। स्टेशन पर जयपुर-कोयंबटूर एक्सप्रेस, भोपाल इन्दौर एक्सप्रेस, भोपाल दाहोद एक्सप्रेस पंचवेली एक्सप्रेस और मदुरै बीकानेर एक्सप्रेस ट्रेन का स्टॉपेज होगा।

सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस संसद चलने नहीं देना चाहती है संसद में अच्छा काम हो रहा है। उनका प्रयास है कि अगर संसद चली तो कार्य ज्यादा होंगे। कांग्रेस का अस्तित्व खत्म होने की कगार पर आ गया है। राहुल गांधी जनता और देश का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी महिला से उत्पन्न पुत्र कभी देशभक्त नहीं हो सकता। यह राहुल गांधी ने तय कर दिया है। हमने नहीं कहा, यह चाणक्य ने कहा है कि विदेशी महिला से उत्पन्न पुत्र कभी देशभक्त नहीं हो सकता। यह राहुल गांधी ने तय कर दिया है।

# निगमायुक्त ने केटेग्राइजड मार्केट में बकायेदारों की दुकानों में लगवाए ताले

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम आयुक्त ने शहर के विभिन्न वार्ड क्षेत्रों में आयोजित राजस्व वसूली षिविरों का निरीक्षण किया और बकायेदारों के संबंध में जोनल अधिकारी तथा वार्ड के अमले से जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त ने जोन 4 के अंतर्गत केटेग्राइजड मार्केट के दुकानदारों द्वारा किराए की राशि जमा न करने पर अपने सामने दुकानों की तालाबंदी की कार्यवाही करवाई।

नगर निगम आयुक्त के.वी.एस. चैधरी शनिवार को जोन क्रमांक 04 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 17 में केटेग्राइजड मार्केट पहुंचे और जोनल अधिकारी से मार्केट की दुकानों की किराए की राशि के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त को जोनल अधिकारी द्वारा दुकानदारों को बार-बार नोटिस दिए जाने के बाद भी किराए की राशि जमा न करने के संबंध में अवगत कराया गया। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने किराए की राशि जमा न करने वाले दुकानादारों के विरूद्ध सख्त रवैया अपनाते हुए अपने सामने

ही दुकानों की तालाबंदी की कार्यवाही करवाई और दुकानदारों से चर्चा कर किराए की राशि शीघ्र जमा करने की समझाइश भी दी। निगम आयुक्त श्री चैधरी ने जोन क्रमांक 05 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14 शाहजहांबाद में शिविर का अवलोकन किया और जोनल अधिकारी तथा वार्ड के कर्मचारियों से वर्तमान बकायेदार एवं पूर्व के बकायेदारों के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा वर्तमान एवं पूर्व के बकायेदारों की सूचियों का अवलोकन भी किया। निगम आयुक्त ने खानूगांव क्षेत्र में जल उपभोक्ता प्रभार की राशि जमा न करने वालों के विरूद्ध नल कनेक्शन विच्छेद करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्तद्वय चंद्र प्रताप गोहल, विनीत तिवारी एवं संबंधित जोनल अधिकारी व निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

## नगर निगम जोन क्रमांक 1 में दिनेश मिश्रा होंगे सांसद प्रतिनिधि

**संत हिरदाराम नगर।** भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पंडित दिनेश कुमार मिश्रा को भोपाल लोकसभा क्षेत्र की सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने नगर निगम जोन क्रमांक 1 के अंतर्गत सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया है। मिश्रा भारतीय जनता पार्टी में लंबे समय से कार्य कर रहे हैं एवं क्षेत्र में अच्छी पकड़ है उक्त कार्यों को देखते हुए सांसद ने अपने प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त कर जनता की सेवा करने का अवसर चुनावी वर्ष में दिया है। मिश्रा को बधाई देने वालों में प्रकाश मीरचंदानी, दिनेश लाहोटी, विष्णु बंसल, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष कुलदीप खरे, अन्नू यादव, दौलत सिंह मेवाड़ा, हुजूर विधानसभा प्रभारी चंदू ईसरानी, नरेंद्र लालवानी, इंद्र भोजवानी, नंदकिशोर डाबी, तेज प्रताप उपाध्याय, अभिषेक भटनागर, राम पुकार गिरी, हिमांशु त्रिपाठी, अभिलाष चंद, अनिल मिश्रा, नीतीश कुमार, राजेश कुमार, राहुल राठौर आदि लोगों ने बधाई दी एवं सांसद का आभार व्यक्त किया।

## रंग पंचमी चल समारोह में शामिल हुए नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी

**भोपाल।** नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने रंग पंचमी के शुभ अवसर पर पुराने भोपाल में आयोजित सुप्रसिद्ध व परम्परागत रंग पंचमी चल समारोह में सम्मिलित होकर नागरिकों को गुलाल लगाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्री हिंदू उत्सव समिति द्वारा पुराने भोपाल में आयोजित रंग पंचमी चल समरोह में हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष संतोष साहू, वरिष्ठ समाजसेवी नारायण सिंह कुशवाह के अलावा चेतन भार्गव, पीसी कोठारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

## वैकुण्ठ धाम विश्राम घाट पर होगा रूद्र अभिषेक और हवन का आयोजन

### एक साथ समस्त सामाजिक संस्थाएं मिलकर सुख-समृद्धि के लिए करेगी हवन

**संत हिरदाराम नगर।** संत नगर में पहली बार वेकुण्ठ धाम पर रूद्र अभिषेक और हवन का आयोजन होने जा रहा है। आयोजन को लेकर शनिवार को संस्कार स्कूल में बैठक रखी गई। संत नगर की प्रमुख सामाजिक संस्था पूज्य सिंधी पंचायत के साथ समस्त सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, व्यापारिक और शिक्षण संस्थाओं द्वारा संत नगर के सर्वांगीण विकास, उन्नति, सुख शांति, समृद्धि तथा व्यापारिक तरक्की हेतु और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी नगर कुशल रहे इस दृष्टि से 13 मार्च सोमवार को सुबह 8:30 बजे से 11:30 बजे तक वेकुण्ठ धाम विश्राम घाट में देवो के देव महादेव का रुद्र अभिषेक एवं हवन का धार्मिक आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम संत नगर के सर्वांगीण विकास हेतु किया गया है। कार्यक्रम के मार्गदर्शक वरिष्ठ समाजसेवी हीरो ज्ञानचंदानी रहेंगे। कार्यक्रम संयोजक विष्णु बसंल के साथ कार्यक्रम व्यवस्थापक बसंत चेलानी रहेंगे। पंचायत के अध्यक्ष साबू रीझवानी, मार्गदर्शक हीरो ज्ञानचंदानी, संयोजक विष्णु बसंल, व्यवस्थापक बसंत चेलानी, महासचिव माधू चांदवानी, उपाध्यक्ष भरत आसवानी, नंद दादलानी, जगदीश आसवानी के अतिरिक्त मोहन मीरचंदानी, जेठानंद मंगतानी, गुलाब जेठानी, माधव पारदसानी, हरीश मेहरचंदानी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

## पहली बार चारे के लिये गो-शालाओं को मिले 202 करोड़ रूपये

**भोपाल।** पशुपालन मंत्री प्रेमसिंह पटेल ने बताया कि प्रदेश की पंजीकृत गो-शालाओं में गो-वंश के पोषण के लिये वर्ष 2022-23 में अब तक की सर्वाधिक 202 करोड़ 33 लाख रूपये की राशि प्रदाय की गई है। मंत्री पटेल ने गो-शालाओं के लिए उपलब्ध कराई गई राशि के लिये मुख्यमंत्री और मध्यप्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड के अध्यक्ष शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया है। पटेल ने कहा है कि पिछले वर्षों की तुलना में यह राशि कई गुना अधिक है। इससे गो-शालाओं को काफी मदद मिली है और आत्म-निर्भरता में भी वृद्धि हुई है। मंत्री पटेल ने बताया कि वर्ष 2019-20 में 1583 गो-शालाओं के एक लाख 69 हजार गो-वंश के लिये 41 करोड़ 62 लाख, वर्ष 2020-21 में 1603 गो-शालाओं के 2 लाख 43 हजार गो-वंश के लिये 94 करोड़ 67 लाख, वर्ष 2021-22 में 1630 गो-शालाओं के 2 लाख 76 हजार गो-वंश के लिये 77 करोड़ 89 लाख रूपये और इस वर्ष 1758 गो-शालाओं के 2 लाख 78 हजार गो-वंश के लिये 202 करोड़ 33 लाख रूपये की राशि प्रदाय की गई है।

# कर्मचारियों के लिए आर्थिक साक्षरता कार्यक्रम आयोजित कर जागरूक किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल की महिला कल्याण समिति (डब्ल्यूडब्ल्यूसी) ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के उपलक्ष्य में संस्थान के ग्राउंड लेवेल कर्मचारियों के लिए एक आर्थिक साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, भोपाल के वरिष्ठ प्रबंधक पंकज राय ने कार्यशाला का संचालन किया।

प्रतिभागियों को प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएमएसवाई, आईपीपीबी दुर्घटना एवं जीवन बीमा योजना, आईपीपीबी बचत खाता, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, आयुष्मान भारत योजना, स्वास्थ्य बीमा योजना, पोस्ट ऑफिस आरडी/एमआईएस की जानकारी देने के साथ बैंक के काम में धोखाधड़ी के बारे में सावधान किया गया। इन कर्मचारियों के 12 वर्ष और कम उम्र के बच्चों के लिए एक ड्राइंग कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। बच्चों को स्टेशनरी किट दिए गए ताकि वे उत्साहपर्वूक अपनी कला की अभिव्यक्ति करें। प्रतिभागियों को स्वच्छ पेयजल का महत्व बताया गया और उन्हें पानी गर्म और ठंडा रखने की बोतलें दी गईं। डब्ल्यूडब्ल्यूसी आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के सहयोग आधे दिन की एक कार्यशाला 'मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा' पर भी आयोजित कर रहा है। 25 मार्च 2022 को सोनीपत में होने वाले इस आयोजन का संचालन ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय में जिंदल स्कूल ऑफ साइकोलॉजी एवं काउंसलिंग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्पिता गुप्ता करेंगी।

# चंद्रप्रकाश ईसरानी अध्यक्ष और सुरेश जसवानी फिर बने महासचिव

### सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के त्रिवार्षिक चुनाव सम्पन्न, 7 को बनाया गया सलाहकार

**संत हिरदाराम नगर।** संत नगर की सामाजिक संस्था सिंधी सेंट्रल पंचायत के त्रिवार्षिक चुनाव में वरिष्ठ समाजसेवी चंद्रप्रकाश ईसरानी नए अध्यक्ष बनाए गए हैं, जबकि सुरेश जसवानी को फिर से महासचिव का दायित्व दिया गया है। संत नरेश पारदासानी के निवास स्थान पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष वासुदेव वाधवानी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रकाश मीरचंदानी, ईश्वरदास हिमथानी और रमेशलाल आसवानी के अतिरिक्त वासुदेव वाधवानी को नया संरक्षक बनाया गया है। इसके अलावा संत नरेश पारदासानी, जगदीश आसवानी, नरेश चोटरानी, रामचंद सबनानी, मनोहर वीधानी और लक्ष्मीचंद नारीमल नरियानी उपाध्यक्ष होंगे। इसी तरह रमेश हिंगोरानी को फिर सचिव, मंघाराम मेंघवानी कोषाध्यक्ष और महेश खटवानी प्रवक्ता होंगे। महेश खटवानी ने बताया कि 7 लोगों को सलाहकार बनाया गया है। जिसमें मूलचंद वीधानी, बीडी चंदनानी, किशोर तेजवानी, हीरो लालवानी, नारायणदास लालवानी, कैलाश आसूदानी, नितेश लाल, रिटायर एसपी जीडी लखानी व दिनेश वाधवानी सलाहकार रहेंगे। इसके अलावा शेट्टी चंदनानी सह सचिव, राजेश बेलानी सह कोषाध्यक्ष, कमल मनसुखानी आडीटर, नरेश गिदवानी सांस्कृतिक सचिव, राकेश शेवानी सह सांस्कृतिक सचिव, बसंत चेलानी सामाजिक सचिव तथा वकील धर्मप्रकाश विधि सलाहकार बनाए गए हैं।

बैठक के आरंभ में वासुदेव वाधवानी ने पंचायत की अब तक की उपलब्धियों पर विस्तार से रोशनी डाली। संरक्षक प्रकाश मीरचंदानी ने पदाधिकारियों की घोषणा की। बैठक में रमेश हिंगोरानी, सुरेश जसवानी, प्रकाश मीरचंदानी, नरेश पारदासानी, महेश खटवानी सहित कई पदाधिकारियों ने सामाजिक एकता पर जोर देते हुए झुठी शिकायतें करने वालों को बेनकाब करने की बात कही। इस मौके पर अपने जमाने के साथ धाकड़ आरएसएस स्वयं सेवक सुंदर कलतारी, सांसद प्रतिनिधि रवि कलतारी, शिक्षाविद् आनंद सबधाणी, कमल वीधानी गांधी नगर के वरिष्ठ समाजसेवी खूबचंद भागचंदानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

# सांवरे सरकार पर अगले साल ब्रज की होली महोत्सव मनाया जाएगा: गोविंद सिंह राजपूत

**सागर।** सुरखी विधानसभा के सांवरे सरकार गौशाला धाम पर चल रही श्रीमद्भागवत में रविवार को रंग पंचमी महोत्सव मनाया गया। इस महोत्सव में हजारों की महिला-पुरुष शामिल हुए। रंग पंचमी महोत्सव में मध्यप्रदेश सरकार के राजस्व एवं परिवहन मंत्री व सुरखी विधायक गोविंद सिंह राजपूत एवं उनकी पत्नी (पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष) सविता सिंह राजपूत के साथ शामिल हुए। उन्होंने रंग पंचमी महोत्सव में लोगों को अबीर-गुलाल और पुष्प वर्षा के साथ बताया कि अगले साल सुरखी विधानसभा में ब्रज की तर्ज पर रंग महोत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी लोग आगामी उत्सव में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें।

**क्षेत्र के विकास पर भी की बात:** मंत्री राजपूत ने कहा कि किसी भी क्षेत्र का विकास होने के लिए मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता होती है। पहले यहां बीहड़ था, रोड बनने के बाद यहां जंगल में मंगल बरस रहा है। मेन रोड से लेकर गौशाला धाम तक रोड बन चुकी है। सुरखी के लोगों को इसका लाभ मिल रहा है, लोगों को आने-जाने में अब किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा है। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि यह गुरु कृपा, मेहनत, तपस्या और आप सभी आशीर्वाद से संभव हो पाया है।

**गौशाला को दान भी दिया:** उन्होंने कहा कि गौशाला पीठ में भूसे की कमी को देखते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित 1 लाख रूपए सहयोग कर रहा हूं और जो भी आवश्यकता उसके लिए भी आपके साथ खड़ा हूं। उन्होंने कार्यक्रम में मंच पर आसीन महंत महाराज का आशीर्वाद लेने के साथ ही सुरखी विधानसभा की खुशहाली की कामना की।

सागर जिले के गढाकोटा में आयोजित बीसवां पुण्य विवाह समारोह में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा शामिल हुए। सामूहिक विवाह समारोह के आयोजनकर्ता प्रदेश शासन के मंत्री गोपाल भार्गव ने मुख्यमंत्री चौहान और प्रदेश अध्यक्ष शर्मा को स्मृति चिह्न स्वरूप प्रतिमा भेंट कर स्वागत व अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर नवयुगलों को सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा शनिवार को रविन्द्र भवन में माता, बेटी, बाई स्मृति शिक्षक समिति द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अभिनंदन कार्यक्रम में शामिल हुए। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान एवं प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

# प्रदेश की पांच महिलाओं को मिला अहिल्या सम्मान, क्रिस्प ने किया सम्मानित

**भोपाल।** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टॉफ परफॉरमेंस (क्रिस्प) ने प्रदेश की पाँच महिलाओं को अहिल्या सम्मान-2023 प्रदान किया। पुरस्कार प्राप्त करने वालों में क्रिकेटर सौम्या तिवारी, भरतनाट्यम नृत्यांगना और रंगमंचीय कलाकार तनिष्का हतवलने, टीवी एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे, गोंडी भित्ति चित्र कलाकार ननकुसिया श्याम और अभिनेत्री एवं गायिका विभा श्रीवास्तव रहीं। शुभांगी अत्रे कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सकीं। समन्वय भवन में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक गिरिजा शंकर थे और प्रदेश की जानी-मानी भील कलाकार श्रीमती भूरी बाई विशेष अतिथि रहीं। पद्मसे सम्मानित लोक कलाकार श्रीमती भूरी बाई ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया कि कैसे वह मजदूरी की तलाश में भोपाल आईं और भारत भवन को गढ़ने वाले कलाकार जे. स्वामीनाथन से उनका परिचय हुआ। उन्होंने बताया कि स्वामीनाथन ने उनकी भीली चित्रकारी को परख कर अवसर दिया और उनके ही मार्गदर्शन से आज वे देश-दुनिया में जानी जाती हैं। श्रीमती भूरी बाई ने कहा कि संघर्ष ही इंसान को सफल बनाता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए अपनी जगह बनाना बहुत जरूरी है। पत्रकार गिरिजा शंकर ने कहा कि अहिल्या सम्मान मिलने का श्रेय महिलाओं के परिजन को भी जाता है। आज के दौर में जहाँ लोग सेलरी और पैकेज के पीछे भाग रहे हैं, ऐसे में खेल, कला और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने का श्रेय माता-पिता को भी जाता है।

# स्टेट म्यूजियम के मंच पर सिटी के सिंगर्स ने सुनाए मधुर गीत

**भोपाल।** भोपाल की सामाजिक संस्था प्रथमसिंह एजुकेशनल वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में लोकप्रिय म्यूजिकल ग्रुप वॉइस ऑफ भोपाल ने शनिवार को राज्य संग्रहालय ऑडोटोरियम भोपाल में संगीतमय प्रोग्राम होली मिलन समारोह किया।संस्था की अध्यक्ष डॉ. वृन्दा ठाकुर , सचिव मेघा ठाकुर, वॉइस ऑफ भोपाल अध्यक्ष अनुपमा गुप्ता और संगीतकारों ने दीप जलाकर एवं सरस्वती वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

समारोह में ग्रुप के कलाकार देर शाम तक मधुर गीत सुनाते रहे। मच गया शोर सारी नगरी रे..... के साथ ही रंग बरसे भीगे चुनर.... जोगी जी धीरे धीरे....,, होली आई रे.... बलम पिचकारी... होली खेले रघुवीरा..... जैसे गीत सुनाए गए। गायक देवेंद्र , साक्षी डॉ. जितेंद्र झरिया, वंदना झरिया सिंगर, अनुपमा गुप्ता, जी.पी.शर्मा, अरुणा मेहता, संजय, शैलेश श्रीवास्तव, डॉ. ज्ञानेश शाक्य, पूरन प्रजापति, जितेंद्र आर्य, रूही, आनन्द सक्सेना, राजेश वनवासी, दीपक लिखते, प्रमोद गार्गव , विजय कुमार, ओम प्रकाश मालवीय, अपर्णा महाजन, सुमन सेंगर, बीना शाबू , जया गावड़े, शोभा लहरिया, योगेश कुमार, मोहन सावले, राजेश गुप्ता, मो. फरहान (गिटार आर्टिस्ट, सिंगर), लाल सिंह अहिरवार, रवि खेमचंदानी, सिमरन खेमचंदानी, देविका राजन, गोविंद राजन, गुरमीत सिंह, राजेन्द्र सिंह, दिलजीत सिंह, अजय श्रीवास्तव, पुष्पा बोरिकर, आदि ने हिस्सा लिया। सभी सिंगर्स एवं विशेष अतिथियों को वॉइस ऑफ भोपाल ने सम्मानित किया गया।

संस्था महिलाओं और बच्चों के कल्याण एवं ग्रामीण विकास के कार्यक्रम करती है। वॉइस ऑफ भोपाल के सदस्यों की बहुत शानदार प्रस्तुति रही। डॉ. एस. के. सक्सेना डायरेक्टर एस स्क्वायर इंफ्राजोन प्रा. लि. प्रथमसिंह एजुकेशनल वेलफेयर सोसायटी का सफल आयोजन रहा।इस कार्यक्रम का एक एक पल यादगार रहेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी उपस्थित रहे।

# इंदौर में रंगपंचमी पर निकली गेर में गैर भी हुए अपने

### सीसीटीवी, ड्रोन और वीडियोग्राफी से की गई निगरानी

### सुरक्षा व्यवस्था में भारी संख्या में पुलिस बल पूर्ण संसाधनों से लैस होकर रहा तैनात

**इंदौर।** होली के पांच दिन बाद आयोजित होने वाला रंगपंचमी का पर्व इंदौर और भोपाल सहित मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में परंपरागत तरीके से मनाया गया। रंगपंचमी पर इंदौर में ऐतिहासिक गेर निकाली गई। गेर में आने वाली भीड़ की सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस ने खास इंतजाम किए ।

शहर में परंपरागत रूप से मनाए जाने वाले रंगपंचमी के त्योहार के दौरान शहर में कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए तथा शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहे, इसके मद्देनजर पुलिस आयुक्त नगरीय इन्दौर शहर हरिनारायणचारी मिश्र के दिशा-निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था इंदौर श्री मनीष कपूरिया, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध/मुख्यालय राजेश हिंगणकर और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात प्रबंधन महेश चंद जैन के मार्गदर्शन में इंदौर पुलिस के चारों ज़ोन के डीसीपी, डीसीपी क्राइम, डीसीपी इंटेलिजेंस और सभी एडिशनल डीसीपी, एसीपी और थाना प्रभारियों के साथ पूरा पुलिस बल शहर में मुस्तैदी से पूर्ण सतर्कता के साथ लगा रहा। रंगपंचमी के त्योहारों के दौरान निकलने वाली गेर एवं फाग यात्राओं और शहर की उल्लासपूर्ण एवं उत्सव प्रेमी जनता की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए, शहर में माकूल पुलिस व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर लगभग 1500 से भी अधिक संख्या में पुलिस बल पूरे शहर में पूरे संसाधनों से लैस कर तैनात किया गया था। पूरे शहर में और गेर और फाग यात्रा वाले मार्गों को विभिन्न सेक्टरों में डिवाइड कर पुलिस बल लगाया गया था। इस दौरान पुलिस द्वारा सीसीटीवी कैमरा, ड्रोन आदि का जाल भी शहर में बिछाया गया । साथ ही उद्घोषणा व वीडियोग्राफी भी कराई गई। रंगपंचमी पर निकली गेर के लिए पुलिस ने चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की। हुड़दंगियों पर नजर रखने के लिए सादी वर्दी में महिला पुलिसकर्मियों के साथ ही अन्य पुलिस बल भी तैनात रहा। एडिशनल कमिश्नर महेशचंद्र जैन ने ड्यूटी पर तैनात सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को इसके लिए दिशा-निर्देश दिए। रास्तों को बंद करते हुए डायवर्सन कर सभी जगह बेरिकेडिंग व स्टॉपर लगाए गए हैं। गेर में कोई वाहन न शामिल हो, इसे ध्यान में रखते हुए राजबाड़ा के लिए जाने वाले सभी रास्ते सुबह से बंद रखे गए और वाहनों के लिए पार्किंग की विशेष व्यवस्था की गई ।

**पुलिस का मानवीय रूप नजर आया:** गेर के दौरान मेडिकल इमरजेंसी के लिए 6 लाख से ज्यादा लोगों के बीच पुलिस ने एम्बुलेंस के लिए रास्ता बनाकर मरीज को अस्पताल पहुँचाने में मदद की। इससे जनता के बीच पुलिस का मानवीय रूप सामने आया। सभी ने पुलिस के इस काम की सराहना की। अहिल्या नगरी के परम्परागत त्यौहार रंगपंचमी के अवसर पर निकलने वाली गैर को सफल बनाने में आप सभी का सहयोग प्राप्त हुआ। हमारे शहर के उत्सव प्रेमी नागरिक, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन, नगर निगम, स्वास्थ विभाग , महानगर पुलिस एवं अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और मीडिया के सहयोग से रंगों के त्यौहार पर आयोजित चल समारोह निर्विघ्न रुप से संपन्न हुआ है, आप सब का हृदय से आभार।

# माथुर चतुर्वेदी समाज का होली मिलन समारोह सम्पन्न

**भोपाल।** श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद मध्यप्रदेश द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन माथुर वैश्य समाज भवन कोलार रोड पर आयोजित किया गया कार्यक्रम की जानकारी संगठन के प्रवक्ता पुनीत चतुर्वेदी ने दी, सर्वप्रथम फिरोजाबाद से आए हुए कलाकारों ने गणेश वंदना और उसके साथ होली के सुमधुर गीतों का गायन प्रस्तुत किया इसके साथ ही जहां हिंदुस्तानी होली और साथ ही ब्रज और मैनपुरी की होली का अपना एक विशेष स्थान होता है लोगों तक उसकी एक अपनी अलग पहचान होती है संगीत की लय और तान के साथ जब गायकों के स्वर मिलते हैं तो एक अलग ही आनंद लोगों को मिलता है साथ ही गुलालो की बौछार और फूलों की बौछार हो तो कहना ही क्या प्रदेश अध्यक्ष तरुण चतुर्वेदी और उनके साथ राष्ट्रीय पदाधिकारी व्यास चतुर्वेदी जन्मेष चतुर्वेदी और समाज के सभी लोगों के सहयोग से एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ इसमें डॉ अंजना चतुर्वेदी श्रीमती पूनम चतुर्वेदी श्रीमती शालिनी चतुर्वेदी श्रीमती नीलम चतुर्वेदी सहित अन्य महिलाओं ने सुमधुर होली का प्रस्तुतीकरण दिया 4 घंटे के कार्यक्रम में समय कैसे बीत गया किसी को पता ही नहीं चला, प्रेम सद्भाव एकता और भाईचारे का यह कार्यक्रम श्री माथुर चतुर्वेदी समाज के लोगों के लिए एक अनूठी पहल दे गया।

# कायस्थ मंडल का होली मिलन समारोह आयोजित

**भोपाल।** कायस्थ मंडल नगरीय क्षेत्र, होशंगाबाद रोड, भोपाल द्वारा नंदन पैलेस होटल में होली-मिलन समारोह का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारीगण ने सुमधुर गीत-संगीत, फाग-गीत एवं काव्य-पाठ प्रस्तुत किए। आरंभ में आराध्यदेव चित्रगुप्त जी की आरती के बाद देवास से पधारे डॉ.मनीष जोशी, डॉ.लता स्वरांजलि, सुनीता पटेल एवं संस्था के संस्थापक अध्यक्ष-संरक्षक वरिष्ठ आई.ए.एस (से.नि.) के.सी.श्रीवास्तव जी ने अपनी कवितायें प्रस्तुत कीं । इसके पश्चात फूलों की होली हुई एवं उपस्थित जोड़ों ने गेम्स खेले ।इस अवसर पर सर्वश्री शैलेन्द्र सुहास प्रधान, पूर्व विधायक, मेजर जरनल श्याम मोहन श्रीवास्तव, डॉ.शशि श्रीवास्तव, आरबी-कुसुम सक्सेना, संजय-ममता श्रीवास्तव, डीके-साधना श्रीवास्तव, अभय-वंदना प्रधान, डीके-लता श्रीवास्तव, अनु श्रीवास्तव, एम.के.भटनागर, नीना सक्सेना, नवनीत सिन्हा, शैल-जितेन्द्र मोहन भटनागर, राजेश माथुर, राजेश नारायण श्रीवास्तव, जीएम जौहरी, एस.के.सक्सेना सहित अनेक लोग उपस्थित हुए।

# एम्स में लिम्फेडेमा दिवस मनाकर किया जागरूक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

फिजियोथेरपी अनुभाग, फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन और जनरल सर्जरी विभागों द्वारा शनिवार को एम्स में लिम्फेडेमा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का विषय स्तन कैंसर के बाद होने वाले लिम्फेडेमा (सूजन) की रोकथाम और उपचार था। इस अवसर पर कार्यवाहक निदेशक डॉ. बर्था रथिनम और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने लिम्फेडेमा में फिजियोथेरपी की भूमिका विषयक रोगी सूचना पुस्तिका हिन्दी व अंग्रेजी का विमोचन किया ।

डॉ. बर्था रथिनम ने अपने अनुभव साझा किए और स्तन कैंसर के रोगियों को प्रेरित किया। डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने इस जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के लिए विभागों को बधाई दी। डॉ. रेहान उल हक, एचओडी ऑर्थोपेडिक्स ने भी स्थिति पर अपने विचार साझा किए। ब्रेस्ट कैंसर सर्वाइवर्स जिन्होंने अपना इलाज पूरा कर लिया है या करा रहे हैं, उन्हें इस अवसर पर विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। इस गतिविधि के तहत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नर्सिंग ऑफिसर माया कुमारी शर्मा ने मरीजों को प्रेरित करने के लिए इस विषय पर स्वरचित कविता पढ़ी। मरीजों को स्तन कैंसर से संबंधित लिम्फोएडेमा के बारे में जागरूक किया गया। जनरल सर्जरी के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. स्वागत ब्रह्मचारी ने लिम्फेडेमा के कारणों और रोकथाम पर एक व्याख्यान दिया। फिजियोथेरेपिस्ट बृजेंद्र सिंह ने लिम्फेडेमा की विभिन्न माप तकनीकों और श्वास अभ्यास पर व्याख्यान दिया। फिजियोथेरेपिस्ट वंदना सिंह ने लिम्फेडेमा की रोकथाम के लिए कंधे के व्यायाम का प्रदर्शन किया। फिजियोथेरेपिस्ट अंकिता वाडनेरकर सिंह द्वारा मैनुअल लिम्फैटिक ड्रेनेज तकनीक और मल्टीलेयर्ड बैंडेजिंग तकनीक का प्रदर्शन किया गया।फिजियोथेरेपिस्ट मोहित बैरागी द्वारा आंतरायिक न्यूमैटिक कम्प्रेशन मशीन का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम की आयोजन टीम में डॉ. जॉन ए. संतोषी, प्रभारी एचओडी पीएमआर, डॉ. प्रदीप सक्सेना, एचओडी, जनरल सर्जरी और डॉ. श्याम लाल, जनरल सर्जरी शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन फिजियोथेरेपिस्ट अनुश्री दाभोवाले ने किया।

### प्रेस्क्रिप्शन लिखने पर संगोष्ठी आयोजित

एम्स में संस्थान के यूरोलॉजी विभाग द्वारा फार्माकोलॉजिकल विभाग के सहयोग से प्रेस्क्रिप्शन लिखने पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। यह संगोष्ठी रेजिडेंट चिकित्सकों और परामर्शदाताओं को प्रेस्क्रिपशन लिखने की कला के बारे में जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

इस संगोष्ठी में अस्पताल के विभिन्न सर्जिकल स्पेशियलिटी के डॉक्टरों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस संगोष्ठी में ओपीडी पर्चियों पर प्रेस्क्रिप्शन लिखने के लिए एक समान रूपरेखा का पालन करने, असामान्य संक्षिप्ताक्षरों के उपयोग से बचने और सुपाठ्य तरीके से दवाओं को लिखने के महत्व आदि बिंदुओं पर विचार मंथन भी किया गया। फार्माकोलॉजी विभाग की ओर से पूर्व में लिखे गए ओपीडी के प्रेस्क्रिप्शनों की जाँच भी की गई । इस सत्र में प्रेस्क्रिप्शन लेखन को लेकर एनएमसी के दिशा-निर्देशों को शामिल किया गया।

### प्रज्ञा ठाकुर के आरोपी निंदनीय: विभा पटेल

**भोपाल।** मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं भोपाल की पूर्व महापौर विभा पटेल ने कहा कि भोपाल की सांसद प्रज्ञा ठाकुर समेत भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्रभक्त परिवार के राहुल गांधी की आलोचना करने का अधिकार नहीं है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे को आपना आदर्श बताने वाली सांसद प्रज्ञा ठाकुर की भाषा निम्न स्तरीय है। उन्हें न इतिहास का पता है और न ही राजनीतिक, संवैधानिक ज्ञान है। इस कारण सस्ती लोकप्रियता अर्जित करने की खातिर वे घटिया बयानबाजी करने पर उतर आई है। उनके आरोप निंदनीय है। गौरतलब है कि संत हिरदाराम नगर में शनिवार को सांसद प्रज्ञा सिंह ने कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी के लिए कहा- विदेशी महिला से पैदा बेटा कभी देशभक्त नहीं ह।

## स म्पा द की य

# संसदीय परंपराएं और दलों की जिम्मेदारी

देश में संसदीय परंपराओं पर संकट सा दिख रहा है। लोकसभा-राज्यसभा हो या राज्यों की विधानसभा, सत्र के दौरान मुद्दों पर बहस का दौर जैसे खत्म ही हो गया है। हंगामा, प्रदर्शन और बीच में हां की जीत..सब कुछ पारित। सदन की कार्यवाही स्थगित। विडम्बना यह है कि इसके लिए सभी एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराते हैं, जबकि कहीं न कहीं जिम्मेदारी सबकी होती है। सत्तापक्ष हो या विपक्ष, दोनों की तरफ से मुद्दों पर बहस की पहल नहीं होती।

बात करें मध्यप्रदेश विधानसभा की। इन दिनों बजट सत्र चल रहा है। होली के पहले इसके दो दिन सिर्फ विधायकों के हंगामे के कारण खराब हो चुके हैं। इस हंगामे के चलते 220 से 310 तक सवालों के जवाब बनने के बावजूद सार्वजनिक नहीं हो पाते। आज के एक अखबार की खबर पर भरोसा करें तो सदन में पूछे गए एक सवाल का जवाब तैयार करने में औसत 50 हजार रुपए तक का खर्च आता है। और जिन सवालों के जवाब जुटाने के लिए गांवों से जानकारी मंगाई जाती है, इनका खर्च 75 हजार से एक लाख रु. तक चला जाता है।

एक दिन के प्रश्नकाल पर औसतन 50 लाख रुपए तक खर्च बताया जाता है। ये राशि विधानसभा की एक दिन की बाकी कार्यवाही के कुल खर्च से भी ज्यादा है, क्योंकि सदन की हर घंटे की कार्यवाही 2.50 लाख रुपए की पड़ती है। यदि 5 घंटे सदन चला तो कुल खर्च 12.50 लाख तक आता है। बजट सत्र के दौरान 2500 से ज्यादा सवाल पूछे जाना है। 2019 से अब तक ऐसे 500 सवाल पूछे जा चुके हैं, जिनमें एक ही जवाब मिला- जानकारी एकत्रित की जा रही है। यदि इसी बजट सत्र की बात करें तो 5 दिनी कार्रवाई में 28 फरवरी को 224, 1 मार्च को 227, 2 मार्च को 230, 3 मार्च को 307 सवाल पूछे गए।

किसानों की कर्जमाफी को लेकर तीन साल में 100 से ज्यादा सवाल पूछे गए। लेकिन, सभी में सिर्फ एक ही जवाब दिया गया- जानकारी जुटा रहे हैं। व्यापमं घोटाले की जांच 2013 में चल रही थी जो 2015 में बंद कर दी गई। इस बारे में अब तक 80 सवाल पूछे गए, जिसमें हमेशा कोर्ट का हवाला देकर जवाब खत्म कर दिया गया। 2017 में हुए मंदसौर गोलीकांड के बाद 2018 में न्यायिक आयोग गठित हुआ था, तब से अब तक 100 से ज्यादा सवाल पूछे जा चुके हैं। दो सरकारें बदल चुकीं, लेकिन अब तक इसमें एक ही जवाब मिला- कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

कहीं न कहीं प्रशासन के कक्षों में भी प्रश्नों को लेकर लापरवाही दिखती है। या फिर ऊपर से दबाव के चलते उत्तर जानबूझकर नहीं दिए जाते। जो भी हो, उत्तर नहीं आता और सदन की गरिमा को झटका लगता ही है। प्रश्नकाल हो या अन्य कार्यवाही, न तो जनहित के मुद्दों पर बात होती है। न ही विधेयकों से लेकर बजट पर चर्चा हो पाती है। बजट जितना महत्वपूर्ण होता है, उससे महत्वपूर्ण विभागों को मिलने वाले आवंटन और वहां होने वाले खर्चों पर चर्चा को माना जाता है। जनता को पता ही नहीं चल पाता कि सरकार किस पर कितना खर्च कर रही है और वास्तव में कितना खर्च होना चाहिए। किन योजनाओं के हिस्से का खर्च किन दूसरी योजनाओं में खर्च हो गया, ये भी नहीं मालूम चल पाता। और सदन में चर्चा का उद्देश्य क्या है?

लोकतंत्र में विधानसभाओं और संसद का अपना अलग महत्व है। यदि इनका औचित्य नहीं रह जाएगा तो फिर लोकतंत्र बचा ही कहां? कैसे हम अपने आप को लोकतंत्र कह पाएंगे? कोई मुद्दों पर बोलता है या नहीं, यह कौन तय करेगा? यदि विपक्ष विरोध नहीं करेगा, तो उसका अस्तित्व भी खत्म हो जाएगा। लेकिन विरोध का तरीका क्या होना चाहिए, यह भी सवाल तो है। और सत्तापक्ष की जिम्मेदारी कुछ अधिक होती है, लेकिन लगता नहीं कि सत्तापक्ष भी अपनी जिम्मेदारी सही तरह से निभा पा रहा है।

हर मुद्दे पर सदस्यों का निलंबन, जो जानकारी सदन में ही दी गई है, उसकी फिर से चर्चा पर रोक, सदन की ही जानकारी पटल पर रखने की मनाही, उसी जानकारी को पूरी तरह से नकारा जाना, यह भी तो ठीक नहीं। फिर विपक्ष हंगामा नहीं करेगा तो क्या करेगा? लेकिन विपक्ष भी शायद अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा पा रहा है। कमी दोनों ओर से है, पर कोई मानने के लिए तैयार ही नहीं है। इसी खींचतान में लोकतंत्र के मंदिरों में तमाशा हो रहा है, जनता मूक दर्शक बनी हुई है। चुनाव आते ही उसे मूल मुद्दों से भटका कर राजनीतिक दल अपने स्वार्थ सिद्ध कर लेते हैं। जो जितना भ्रमित कर ले, उसे उतनी ही सीटें मिल जाती हैं। जय लोकतंत्र।

# शिवराज और वीडी की नजदीकियां बढ़ीं

**सुरेश तिवारी**

विधानसभा चुनाव के नजदीक आने के साथ ही

भाजपा में अब यह लगभग तय माना जा रहा है, कि चुनाव तो शिवराज सिंह चौहान के चेहरे पर ही लड़े जाएंगे। अब वो सारे कयास लगभग गलत साबित हो रहे है कि चुनाव से पहले कोई बड़ा बदलाव होगा। शायद यही कारण है प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा जो कुछ समय पहले तक कुछ अलग अंदाज में दिखाई दे रहे थे, अब सीएम शिवराज सिंह चौहान के साथ कदमताल करते दिखाई देने लगे हैं।

दोनों नेता नजदीक आते जा रहे हैं। दोनों कई कार्यक्रमों में साथ साथ शिरकत कर रहे हैं। होली पर वीडी सीएम हाउस पर देखे गए और बाद में शिवराज वीडी के बंगले पर गए। शिवराज सिंह भी अपने सकारात्मक व्यवहार के मुताबिक वीडी शर्मा से मेलजोल बढ़ाने लगे। दोनों त्योहारों पर एक दूसरे से मिलने जाने लगे और हंसते मुस्कुराते दोनों के फोटो भी दिखाई दे रहे हैं। यह सब इसलिए हुआ कि कई लोगों के अनुमान के विपरीत न तो शिवराज सिंह चुनाव से पहले बदले जा रहे हैं और संभवत वीडी शर्मा भी बने रहेंगे।

जब दोनों नेता चुनाव रहेंगे तो ऐसी स्थिति में जरूरी है कि दोनों के बीच सामंजस्य का बना रहना जरूरी है। दोनों ने समझ लिया है कि यह संदेश भी पार्टी नेताओं को जाना जरूरी है ताकि किसी को भी टीका-टिप्पणी करने का मौका नहीं मिले। दोनों नेता आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां भी साथ में करते दिखाई दे रहे हैं। सीएम हाउस में लगातार बैठकों का सिलसिला जारी है। दोनों के नजदीक आने से अब वे नेता किनारे हो गए जो दोनों में से किसी का भी विकल्प बनने के लिए दिल्ली तक जुगाड़ करते दिखाई देते थे।

**दिग्गी राजा की सक्रियता के नए मायने!**

जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं कांग्रेस का माहौल बदलता दिखाई दे रहा है। अभी तक कमलनाथ को भावी मुख्यमंत्री की तरह पेश किया जा रहा था। लेकिन, अब वो आवाज़ धीमी हो गई है। अब कमलनाथ से नाराज नेताओं की संख्या भी बढ़ती दिखाई दे रही है। कुछ तो खुलकर बोल रहे हैं, कुछ दबे सुर में और कुछ अभी बदलाव का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन, यह तय है कि अब कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ताओं ने यह समझ लिया है कि कमलनाथ में अब वह स्पार्क नहीं बचा कि वे अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला कर सकें।

कमलनाथ के प्रति कांग्रेस के नेताओं के मन उचाट का सबसे बड़ा कारण यह है कि उनकी सेना कमजोर लगने लगी। इसके अलावा कांग्रेस में यह भी कहा जाने लगा है कमलनाथ कान के कच्चे हैं। वे किसी की भी बातों पर भरोसा कर लेते हैं। वे कार्यकर्ताओं को भी उतनी तवज्जो नहीं देते, जितनी दी जाना चाहिए और उनकी प्रतिद्वंदी पार्टी भाजपा में दी जा रही है। अभी भी लोगों को कमलनाथ से मिलने

का समय नहीं मिलता।

ऐसी स्थिति में दिग्विजय सिंह का ग्राफ बढ़ता दिखाई दे रहा है। वे लगातार कार्यकर्ताओं से संपर्क में हैं और उनके आसपास भीड़ बढ़ती जा रही है। उनसे मिलने वालों की संख्या भी अब पहले से कहीं ज्यादा होने लगी। वे लगातार प्रदेश के दौरे भी कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने 3 दिन का विंध्य क्षेत्र का दौरा किया और उसका असर भी दिखाई दिया। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि कमलनाथ के ग्राफ का नीचे आना और दिग्विजय सिंह का ग्राफ उठना यह सब अपने आप नहीं हो रहा। यह कहीं न कहीं ऊपर से आने वाला संकेत है। क्योंकि, 31 मई को कमलनाथ का प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकाल पूरा हो रहा है, उसके बाद जो भी होगा वह मध्यप्रदेश में कांग्रेस का भविष्य तय करेगा। भविष्य जो भी हो दिग्विजय सिंह का पलड़ा फिलहाल भारी तो दिखाई देने लगा।

**सिंधिया और तोमर की हदबंदी!**

ग्वालियर-चंबल संभाग में भाजपा राजनीति में अब समीकरणों का उलझाव दिखाई देना करीब-करीब बंद हो गया है। ज्योतिरादित्य सिंधिया और नरेंद्र सिंह तोमर के बीच में जो खींचतान की खबरें लम्बे समय से सामने आती थी, वे पिछले कुछ दिनों से एकदम थम सी गई। बताते हैं कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इन दोनों दिग्गज नेताओं के बीच में एक समझौता जैसा करवा दिया कि सिंधिया ग्वालियर में सक्रिय रहेंगे और तोमर मुरैना में।

दोनों बड़े नेताओं के बीच के संभावित मतभेदों को दूर करने के लिए यह सबसे अच्छा रास्ता था जो मुख्यमंत्री ने निकाला। यही कारण है कि दोनों अब एक-दूसरे के काम में दखलंदाजी करते हुए भी दिखाई नहीं देते। सिंधिया ग्वालियर के विकास कार्यों की समीक्षा करते दिखाई देते हैं, तो उसमें तोमर का कोई दखल नहीं होता। इसका कारण यह था कि सिंधिया ग्वालियर में सक्रिय होना चाहते थे, ताकि अगले लोकसभा चुनाव के लिए तो ग्वालियर को अपने लिए सुरक्षित कर सकें और उनके काम में कोई दखलंदाजी न हो और वही हुआ भी।

तोमर और सिंधिया के बीच की खींचतान से भाजपा के वे नेता खुश थे जो दोनों खेमे से अलग थे। उन्होंने इनके बीच के तनाव को खूब हवा भी दी। लेकिन, जब से मुख्यमंत्री ने बीच का रास्ता

निकालकर दोनों की हदबंदी कर दी, सारा विवाद ही शांत हो गया। दोनों के इलाके अलग होने से अब ऐसी ख़बरें भी थम गई।

**इस बार पुलिस-प्रशासन ने जमकर खेली होली!**

इस बार की होली का एक अलग ही रंग दिखाई दिया। कोरोना काल के बाद यह उत्साह तो होना ही था। लेकिन, प्रदेश के करीब हर जिले में एक अलग नजारा और दिखाई दिया। वो नजारा यह था कि प्रदेश के हर जिले में पुलिस और जिला प्रशासन ने जमकर होली खेली। होली के दिन तो पुलिस और प्रशासन

ख़ास ही मुस्तैद रहता है कि कहीं, कोई अप्रिय घटना न घटे। लेकिन, होली के अगले दिन जब होली का माहौल सड़कों को ठंडा हो जाता है, तो पुलिस और प्रशासन की होली होती है।

इस बार करीब हर जिले में होली हुई और जमकर हुई। इस होली में प्रशासन और पुलिस साथ दिखाई दिए। उच्च स्तर के अफसरों से लगाकर छोटे स्तर तक के कर्मचारियों ने साथ में मिलकर होली खेली। देखा जाए तो यह एक अच्छी शुरुआत है। क्योंकि अभी तक पुलिस की अलग होली होती थी और जिला प्रशासन के अफसर अलग होली खेलते थे। लेकिन, इस बार दोनों ने मिलकर होली खेली।

होली के रंग में इस बार इंदौर जैसे बड़े शहर की होली पूरे प्रदेश में छाई। कमिश्नर डॉ पवन शर्मा, कलेक्टर इलैया राजा,इंदौर के पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा समेत करीब सभी बड़े अफसरों ने रंगों की औपचारिक होली नहीं खेली, बल्कि होली का पूरा मजा लिया। जिन लोगों ने इंदौर के कलेक्टर को होली पर रंगे हुए देखा होगा, वे जानते हैं कि इस बार होली सिर्फ रंग और गुलाल से नहीं खेली गई।

**कलेक्टर की भविष्य को लेकर पहल**

अकसर देखा गया है कि सामान्यत: जिला कलेक्टर की सक्रियता प्रशासनिक काम तक सीमित होती है। उससे आगे यदि वे निकलते हैं, तो समाज सेवा के क्षेत्र में कुछ पहल करते हैं। लेकिन हरदा कलेक्टर ऋषि गर्ग ने कुछ अलग ही काम किया। उन्होंने सामाजिक बदलाव को किताबों से जोड़ा और हर स्कूल और पंचायत में एक कमरा पुस्तकालय के लिए बनाने की पहल शुरू की। वास्तव में यह ऐसी पहल है जिसमें लंबा भविष्य देखा जा सकता है।

जिला प्रशासन की इस पहल पर जिले में शिक्षा को बढ़ावा देने, किताबों के प्रति बच्चों का रुझान बढ़ाने, उनमें किताबें पढ़ने की आदत डालने, जिज्ञासा और वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए जिले की ग्राम पंचायतों में भी सामूहिक सहयोग से किताबघर स्थापित किए जाने की पहल की जा रही है। हरदा जिला पंचायत भी कलेक्टर की इस मुहिम में कोशिश कर रही है।

जिला पंचायत ने जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, प्रबुद्धजनों, सामाजिक-धार्मिक-शैक्षणिक और व्यापारिक संगठनों से अनुरोध किया है कि वे इन किताब घरों में बच्चों के पढ़ने के लिए पाठ्य सामग्री पुस्तकें आदि दान करें और बच्चों के भविष्य निर्माण में सहयोग करें। इस बारे में कलेक्टर ऋषि गर्ग का कहना है मुझे कई समाजसेवी संगठनों से इसका समर्थन मिला है। लोग स्टडी मटेरियल और किताबें दान करना चाहते हैं उन्होंने इसके लिए उनका स्वागत किया है।

**दस्तखत करने के बाद ही फाइल राजभवन भेजें**

सत्ता के गलियारों में इन दिनों अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली की आप सरकार की चर्चा जोरों पर है। पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की कथित भ्रष्टाचार के आरोप में हुई गिरफ्तारी के बाद तो तरह तरह की बातें तैर रही है। जानकारों का कहना है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल सरकारी फाइलों पर दस्तखत किए बिना राजभवन भेज दिया करते थे।

ऐसा करने के पीछे उनकी मंशा शायद यह रही होगी कि अगर कुछ गलत हुआ भी तो दस्तखत करने वाला ही जिम्मेदार होगा। इसी कारण पहले सतेन्द्र जैन और अब सिसोदिया को जेल जा पड़ा क्योंकि फाईल पर इन्हीं के पास से गयी थी। इसलिए सरकार के मुखिया होने के बावजूद केजरीवाल पर अभी तक आंच नहीं आई है। विशेषज्ञ वर्तमान उप राज्यपाल के उस निर्देश को सही और कानून सम्मत मान रहे हैं जिसमे उन्होंने मुख्यमंत्री से अपने दस्तखत करने के बाद ही फाईल को राजभवन भेजने को कहा है।

**दिल्ली पुलिस के खाली पड़े पदों पर कई आईपीएस अधिकारियों की नजर**

दिल्ली पुलिस में कुछ बड़े पद खाली होने और उन्हें पाने के लिए कई आईपीएस अधिकारी अधिकारी जोड तोड़ में लग गए हैं। दिल्ली पुलिस में विशेष आयुक्त, कानून ङ्क व्यवस्था के दो पद और इन पर तैनात अधिकारियों की समयावधि पूरी हो रही है। इसी महीने नये अधिकारी तैनात हो सकते हैं।

**ईडी के स्टाफ में पिछले सालों में चार गुना वृद्धि**

मोदी सरकार में इंन्फोर्समेंट डाईरेक्टोरेट यानी ईडी सबसे ताकतवर जांच एजेंसी है। इसके स्टाफ में भी पिछले आठ सालों में चार गुना वृद्धि हुई है। यूपीए काल में इसे चलाने के लिए लगभग 600 का स्टाफ़ था और इसे दंत विहीन संस्था कहा जाता था लेकिन अब चार गुना अधिक स्टाफ के साथ सबसे अधिक प्रभावशाली जांच एजेंसी है। यही कारण है कि ईडी लगभग सभी विरोधी दलों के निशाने पर हैं।

# क्या तीन राज्यों में कमल के पोषक होंगे केजरीवाल

**अरुण पटेल**

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविन्द केजरीवाल की हालिया घटनाक्रम को छोड़कर जो तेजी से अखिल भारतीय राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हिलोरें मार रही थीं उसके चलते क्या वह मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में इस साल के अन्त में होने वाले राज्य विधानसभा के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी का कमल खिलाने में मददगार साबित होंगे या नहीं । 2018 के विधानसभा चुनावों में तीनों ही राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनी थी। बाद में मध्यप्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया के दलबदल का तड़का लगवा कर भाजपा ने अपनी सरकार बना ली और केवल लगभग डेढ़ साल के अंतराल को छोड़कर बतौर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने फिर से राज्य की कमान संभाल ली। जहां तक छत्तीसगढ़ का सवाल है वहां फिलहाल तो

कांग्रेस काफी मजबूत पायदान पर खड़ी नजर आ रही है और मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार दलबदलुओं की बैसाखी पर टिकी है, लेकिन यहां पर शिवराज का अपना आभामंडल है जिसके चलते भाजपा भी मजबूत पायदान पर खड़ी नजर आ रही है। यहां कांग्रेस कम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का नेतृत्व अधिक परीक्षा की कसौटी पर है, क्योंकि सारी जमावट व संसाधनों की व्यवस्था उनके कंधों पर है। हालांकि 2018 की तरह दिग्विजय सिंह फिर से मध्यप्रदेश में सक्रिय हो गये हैं और वे कांग्रेस से रुठे व निराश होकर घर में बैठे कार्यकर्ताओं को चार्ज करने के अभियान में जुट गये हैं। राजस्थान में हर पांच साल बाद सरकार बदलने की लम्बे समय से रबायत रही है और देखने वाली बात यही होगी कि इस रबायत को बदलने में राजस्थान में सचिन पायलट के विद्रोही तेवर मददगार साबित होते हैं या उनके तेवरों से भी कमल खिलने के हालात और मजबूत होंगे। इन सबके बीच आम आदमी पार्टी की क्या भूमिका होगी क्योंकि यह चर्चित हो गया है कि आम आदमी पार्टी तीनों ही राज्यों में सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का पूरी तरह से मन बना चुकी है।

जहां तक केजरीवाल का सवाल है वह अपने तईं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विकल्प बनने का सपना लंबे समय से देख रहे हैं जबकि उन्हें तथा बसपा सुप्रीमो मायावती को विपक्षी एकता की राह में बड़ी बाधा माना जा रहा है। दिल्ली में आबकारी घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी और सीबीआई की जांच के बाद जिस तेजी से घटनाक्रम घूम रहा है उसको देखते हुए क्या चुनाव आने तक किसी बड़ी भूमिका में केजरीवाल उतने ही ताकतवर रह पायेंगे जितने वे अभी तक अपने आप को मानते रहे हैं। यह देखा गया है कि केजरीवाल ने जहां-जहां अपनी राजनीतिक हैसियत बढ़ाई है वहां-वहां उन्होंने कांग्रेस को अधिकतम नुकसान पहुंचाया है और भाजपा को न्यूनतम। अभी उनकी मध्यप्रदेश छत्तीसगढ व राजस्थान तीन राज्यों में सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की जो राजनीतिक महत्वाकांक्षा हिमालयीन उछाल मार रही है वह उस समय तक टिकी रहेगी या नहीं इस पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा। इसलिए राजनीतिक गलियारों में इस बात की भी चटकारेदार चर्चा है कि क्या केजरीवाल इन राज्यों में कमल खिलाने की भूमिका में मददगार हो पायेंगे या नहीं। हो सकता है कि अब वह भी विपक्षी एकता में आगे चलकर शामिल हो जायें और जो विपक्षी एकता अभी दूर की कौड़ी नजर आ रही है उसे जांच एजेंसियां एक मजबूत प्लेटफार्म प्रदान कर दें। जहां तक राजनीतिक जनाधार का सवाल है फिलहाल छत्तीसगढ़ व राजस्थान में आम आदमी पार्टी का कोई खास जनाधार नहीं है लेकिन मध्यप्रदेश में स्थानीय निकाय चुनाव में उसे कहीं-कहीं छुटपुट सफलता भी हाथ लगी है और उसका एक महापौर भी है। लेकिन महापौर प्रत्याशी अपने स्वयं के जातिगत और पारिवारिक पृष्ठभूमि के प्रभाव के चलते चुनाव जीती हैं या उसमें आम आदमी पार्टी का भी कोई खास योगदान है इसको लेकर सवाल उठते रहे हैं। जहां तक लोकसभा और विधानसभा चुनावों का सवाल है फिलहाल तो उसने कोई बहुत बड़ी राजनीतिक शक्ति अपने आप को साबित नहीं किया है और कट्टर ईमानदार होने की जो छबि थी उसको जांच एजेंसियां कितना धूमिल कर पाती हैं इस पर भी आने वाले चुनावों में तीनों राज्यों में इस पार्टी का कितना राजनीतिक प्रभाव चुनाव परिणामों को प्रभावित करने की स्थिति में होगा यह आगामी दो-तीन माह के राजनीतिक घटनाक्रम के बाद ही कहा जा सकेगा। लेकिन फिलहाल तो यह लगता है कि आम आदमी पार्टी के आला नेता लम्बे समय तक जांच एजेंसियों के चक्कर लगाने में ही व्यस्त रहेंगे।

**अमित शाह के बाद विंध्य में कांग्रेस भी सक्रिय**

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के विंध्य क्षेत्र के दौरे के बाद अब यहां के मोर्चे पर कांग्रेस भी सक्रिय हो गई है और वह फिर से अपने लिए पूर्व में उर्वरा रही विंध्य क्षेत्र में अपनी जमीन को उपजाऊ बनाने के अभियान में तेजी से भिड़ गई है। पूर्व मंत्री और राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे अजय सिंह तो काफी समय से भाजपा में सेंध लगाने और कांग्रेस को मजबूत करने के लिए अपना पसीना यहां बहा रहे हैं और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ भी अपनी सक्रियता विंध्य सहित पूरे प्रदेश में बढ़ाते जा रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद दिग्विजय सिंह अब फिर अपनी उसी भूमिका में आ गए हैं जिसके चलते उन्होंने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को एकजुट कर 2018 के विधानसभा चुनाव में सक्रिय किया था और जिसके फलस्वरुप कांग्रेस की सरकार बनने के लिए एक मजबूत आधारभूमि तैयार हो गई थी जिसे मतदान केंद्रों तक पहुंचने वाले मतदाता

के मानस को कांग्रेसमय बनाने में कमलनाथ और वर्तमान केंद्रीय मंत्री एवं तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष के रुप में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बड़ी भूमिका अदा की। दिग्विजय सिंह विंध्य क्षेत्र के मोर्चे पर सक्रिय हो गए हैं और तीन दिन तक सतना तथा रीवा में कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कर उसकी नब्ज टटोलने की कोशिश वे कर रहे हैं। शुक्रवार से प्रारंभ हुआ दिग्विजय का यह अभियान रविवार तक चलेगा। इसमें वे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के घर भी जायेंगे, रुठे हुए कार्यकर्ताओं को मनायेंगे तथा उन्हें घरों से निकलकर कांग्रेस के लिए संघर्ष करने को प्रेरित करेंगे। इसी अंचल के सतना में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ भी अन्य पिछड़ा वर्ग के सम्मेलन में शिरकत कर चुके हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को उसकी अपेक्षा के उलट धीरे से जोर का झटका यहां लगा था और अंचल की 30 सीटों में से कांग्रेस केवल 8 सीटें ही जीत पाई थी, यही कारण है कि कांग्रेस इस ओर विशेष ध्यान दे रही है। इस इलाके में नगरीय निकाय और विधानसभा उपचुनाव में मिले अच्छे नतीजों से कांग्रेस उत्साहित भी है और इस समय रीवा में महापौर भी कांग्रेस का ही है।

**और यह भी**

भाजपा तो चौबीसों घंटे साल भर चुनावी मोड में रहती है लेकिन इस बार अपनी आदत और स्वभाव के विपरीत कांग्रेस काफी पहले से सक्रिय हो गयी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ 15 दिनों के दौरे कर चुके हैं और वहीं दिग्विजय सिंह ने भी मैदानी मोर्चा संभाल लिया है। वे अब तक सागर, भोपाल, सीहोर, नीमच, मंदसौर, नर्मदापुरम और राजगढ़ जिलों में कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें सक्रिय कर चुके हैं। विंध्य क्षेत्र के अपने दौरे में वह रामपुर बघेलान, रीवा, मनगंवा और त्योंथर क्षेत्र के कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सक्रियता तो देखते ही बनती है, वह विंध्य क्षेत्र को लेकर भी बहुत ही सजग हैं। जहां एक ओर वे अमित शाह की उपस्थिति में कोल महाकुंभ का आयोजन करवा चुके हैं क्योंकि कुछ क्षेत्रों में कोल समुदाय निर्णायक भूमिका में हैं तो वहीं दूसरी ओर शिवराज ने मऊगंज को प्रदेश का 53वां जिला बनाने की घोषणा कर एक बड़ा दांव चल दिया है, यह मांग काफी पुरानी है जो अब जाकर पूरी होने जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbp167@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

## रंगों के त्यौहार रंगपंचमी पर जमकर उड़ा अबीर गुलाल, एक दूसरे के घर जाकर दी शुभकामनाएं



ओबेदुल्लागंज,,, नगर में रंगपंचमी का पर्व बड़ी ही धूमधाम ओर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान लोगों ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी। मुख्य बाजार से हिंदु उत्सव समिति के तत्त्वाधान में विशाल रंगोउत्सव का आयोजन किया गया जिसमें सभी धर्म के लोगों ने मिल कर रंगपंचमी का त्यौहार मनाया। मुस्लिम कमेटी ने मुख्य चौराहे पर रंग गुलाल खेलकर जुलूस का स्वागत किया तो वही दूसरी ओर कुछ लोग टोली बनाकर अपने खेत मकान पर जाकर दाल बाटी पार्टी करते नजर आए। रंगपंचमी के त्यौहार पर लोगों ने गत वर्ष में हुए शोक संतप्त परिवार के घर जाकर तिलक लगाकर अपनी संवेदनाएं भी व्यक्त की। इस दौरान हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष राजेश खटीक ने सभी लोगों को रंगपंचमी की शुभकामनाएं देते हुए शांति एवं सौहार्द पूर्ण त्यौहार मनाये जाने पर सभी का आभार व्यक्त किया।तो दूसरी तरफ एसडीओपी मलकीत सिंह व थाना टीआई संदीप चौरसिया के साथ उनकी पूरी टीम शांति व्यवस्था बनाए रखने में गश्त करती नजर आई।

## कट्टे और लाठी से आफिस में जेई के साथ मारपीट

विनोद साहू बाड़ी । चुनावी साल चल रही है और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मंचों से माफियाओं और गुड़ों को दस फिट नीचे जमीन दफन करने के सपनों को गुंडे हवा में उड़ा रहे।

ठेकेदार इस कार्यवाही से तिलमिलाया और उसने सुनियोजित ढंग से किया जयसवाल पर हमला। शुक्रवार की शाम करीब सात बजे ठेकेदार चंद्रप्रकाश सेन अपने साथियों के साथ योजनाबद्ध तरीके से बिजली ऑफिस आया और उसने जयसवाल के पास बैठे लोगों को कट्टे दिखाकर बाहर कर गालियों की बौछार के साथ मारपीट शुरु कर दी उन्होंने मारते समय यह पूरा ध्यान रखा कि खून न निकले और न ही कोई हठ्ठी टूट पाए। और बह जिस मकसद से मारपीट की उसमें बह सफल हुए और आराम से निकल गए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के जेई मनोज जयसवाल जो बाड़ी में विगत दो वर्षों से पदस्थ हैं और विभाग के प्रति ईमानदारी से क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति के लिए चौबीस घंटे सजग रहते हैं उनके कार्यक्षेत्र में विद्युत चोर व बिल नहीं जमा करने बालों के लिए काल बनकर कार्य कर रहे थे । उनकी कार्यप्रणाली से उनके तमाम आलाधिकारी खुश थे कि उनके अधिकारी फील्ड पर ईमानदारी से काम रहे हैं और बह किसी भी राजनीतिक दबाव का असर जेई मनोज जयसवाल पर आने नहीं देते और उन्हें खुली छूट थी बह जो भी कर रहे हैं बह विभाग के लिए ही हैं।



सबसे अधिक बसूली और पुराने प्रकरणों को किया खत्म। जेई मनोज जयसवाल पूर्णकालिक अधिकारी होने से उन्हें विभाग की बारीकियों का ज्ञान था और उन्होंने सबसे पहले शहर के दबंग और रसूखदारों का बकाया बिल जमा करने का नोटिस दिया नहीं जमा होने पर उन्होंने खुद खड़े होकर उस बकायादार का पोल से कनेक्शन कटवाया जिससे उनकी छवि शहर में एक कड़क और ईमानदार के रुप में उभरी ऐसी कार्यवाहियों से शहर के सभी वर्गों के लोगों में डर बैठ गया और बह चुपचाप जो भी बिल आता बह जमा करने लगे , उन्होंनें वर्षों से धूल खा रहे चोरी के प्रकरणों का पुलिंदा भी निकाला और लोगों से जमा कराने में सफलता प्राप्त की।

### विद्युत ठेकेदार कर रहे थे ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों से ठगी ।

मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में ठेकेदार जो पोल गड़ाने व ट्रांसफारमर का काम करते हैं बह विभाग की बगैर अनुमति के किसानों के खेतों में ट्रांसफारमर रखकर उनसे लाखों रुपए बसूली कर बिजली चोरी करवा रहे थे।

### चेकिंग के दौरान पकड़ाए फर्जी ट्रांसफारमर ।

खपत और बिलों में अंतर अधिक होने पर मनोज जयसवाल अपनी टीम के साथ कृषि की सिचाई के लिए रखे ट्रांसफारमरों में कितने चालू और कितने बंद है कि जानकारी जुटाई जिसमें आया कुछ ट्रांसफारमर बगैर विभाग में दर्ज हुए चल रहे हैं तो उन्होंने इसकी बारीकी से पड़ताल की और एक ट्रांसफारमर उड़दमऊ में मिला उसे उतरवा कर ले आये ।

### इनका कहना

कपिल गुप्ता थाना प्रभारी बाड़ी ।

मनोज जयसवाल की तहरीर पर चंद्रप्रकाश सेन पर धारा 353/332/186/294/506/ व 34 एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया शीध्र ही गिरफ्तार करने के लिए टीम लगा दी ।

## मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए दी गई ट्रेनिंग



छतरपुर। कलेक्टर संदीप जीआर के निर्देशन में रविवार को जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी छतरपुर द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए पूरे जिले में प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। जिससे आवेदन भरते समय पात्र एवं अपात्रता की पहचान करना एवं तकनीकि समस्याओं से निपटने तथा पोर्टल पर आवेदन की प्रक्रिया में कोई परेशानी न हो।

प्रबंधक ई-गवर्नेंस राहुल तिवारी ने बताया कि ग्रामीण जनपद एवं निकाय स्तर पर प्रशिक्षण जिले की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, ग्राम सचिव एवं रोजगार सहायक, वार्ड प्रभारी एवं कम्प्यूटर ऑपरेटरों को दिया गया। साथ ही सभी की समस्याओं एवं प्रश्नों आदि का समाधान किया गया। प्रशिक्षण में समग्र आईडी के ई-केवायसी एवं अन्य तकनीकि विस्तृत जानकरी दी गयी तथा एलबीवाय अंतर्गत दिनांक 25 मार्च से पात्र महिलाओं को मिलने वाले मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लाभ के आवेदन ऑनलाइन डेस्कटॉप और मोबाइल एप द्वारा प्राप्त होने वाले आवेदनों के संबंध में तकनीकि जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर सहायक ई गवर्नेंस प्रबंधक के.के. तिवारी छतरपुर में, बिजावर एवं बक्स्वाहा में अखिलेश प्रजापति, बड़ामलहरा में अखिलेश वाजपेयी, नौगांव में संजीव चौरसिया, लवकुशनगर गौरिहार में हेमंत रिछारिया तथा राजनगर में शशिकांत चौरसिया द्वारा योजना के सफल क्रियांवयन के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया।

## प्रोफेसर ने अपने जन्मदिन पर पौधा रोपण कर प्रकृति संरक्षण का दिया संदेश

शासकीय स्नातक महाविद्यालय नैनपुर में कार्यरत सहायक प्राध्यापक डॉ कुलभूषण रजक ने महाविद्यालय में पौधा लगाकर अपना जन्मदिवस मनाया। साथ ही उस पौधे की संरक्षण के जवाबदारी भी स्वयं ने ली। उनका मानना है कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने हेतु पौधों अधिक महत्व है और पेड़ पौधे लगाने से गर्मी में छाया होती है फल फूल मिलते है। हर इंसान को कम से कम एक पेड़ अपने जीवन में जरूर लगाने चाहिए। धरती को हरा भरा रखना हमारा कर्तव्य होना चाहिए। डॉ कुलभूषण रजक ने ने कहा कि आज ये संकल्प लें कि एक एक पेड़ हम सभी आने वाले दिनों में लगाएंगे। इसके साथ ही छात्र छात्राओं को भी पेड़ लगाने व उसकी रक्षा करने के लिए प्रेरित करेंगे। महाविद्यालय परिवार ने इनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य की सराहना की।

## दिव्य माहौल में होगा इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

छतरपुर। शहर के पंडित देवप्रभाकर शास्त्री इंजीनियरिंग कॉलेज में आगामी 24 मार्च से होने जा रहे शिव परिवार, मां सरस्वती एवं गृहस्थ संत श्री दद्दाजी, जिज्जीबाई की प्रतिमाओं के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियां तेजी से आरंभ कर दी गई हैं। गृहस्थ संत दद्दाजी के छतरपुर शिष्य मंडल ने इस धार्मिक विधान को दिव्य बनाने के लिए एक बैठक का आयोजन किया जिसमें विभिन्न निर्णय लिए गए। स्थानीय सिंचाई कॉलोनी स्थित मरई माता मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में दद्दा शिष्य मंडल के सदस्य हरनारायण शुक्ला, अशोक दीक्षित, हरगोविंद गुप्ता, बृजेश अग्रवाल, ओमप्रकाश तिवारी, अटल बसेंडिया, प्रदीप खरे, विजय अग्रवाल, अनुराग अरजरिया, राजकिशोर तिवारी, महावीर श्रीवास्तव, बृजेंद्र सक्सेना, प्रमोद तोमर, केएन तिवारी, पुरूषोत्तम अग्रवाल, जमुना पाण्डेय, अवधेश द्विवेदी, राघवेन्द्र पटैरिया, दिनेश शुक्ला एवं समस्त दद्दा शिष्य मंडल के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के आरंभ में व्हीएव्ही ग्रुप ऑफ कॉलेज के डायरेक्टर अशोक दीक्षित ने बताया कि पंडित देवप्रभाकर शास्त्री इंजीनियरिंग कॉलेज के केम्पस में आकर्षक और भव्य मंदिर का निर्माण किया गया है जिसमें शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके साथ ही कॉलेज के अंदर बीच अहाते में माता सरस्वती, गृहस्थ संत दद्दाजी एवं जिज्जीबाई की प्रतिमाओं को डॉ. अनिल शास्त्री कूंडाधाम के सानिध्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ स्थापित किया जाएगा। सभी सदस्यों ने इस धार्मिक विधान में प्राण-पण से सक्रिय भागीदारी निभाने की सहमति व्यक्त की।

## प्रतिभाशाली गृहणी प्रियंका सिंह बनी मिसेज एमपी

सीहोर। प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती यह उक्ति चरितार्थ करके दिखाई सीहोर की उदीयमान प्रतिभाशाली गृहणी श्रीमती प्रियंका सिंह ने ... जिन्होने भोपाल मे आयोजित प्रदेश के प्रतिष्ठित मिसेज एमपी का टाईटल अपने नाम कर सीहोर का गौरव बढ़ाया। दरअसल मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विधयुत वितरण कंपनी मे सहायक यंत्री रमेश सिंह की प्रतिभाशाली धर्मपत्नी गृहणी श्रीमती प्रियंका सिंह ने भोपाल मे आयोजित मिसेज एमपी प्रतियोगिता मे हिस्सा लिया। पूरे प्रदेश के 10 जिलो मे इसके आडिशन हुये। सीहोर के टाउन हाल मे आयोजित इसके आडिशन मे विधायक सुदेश राय की धर्मपत्नी समाजसेविका अरुणा राय और ख्यात डिजाइनर रोमी आहूजा ने इन्हे प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किया। भोपाल मे श्यामला हिल्स के मानस भवन मे संस्कार सुधा फाउंडेशन एवं मध्य प्रदेश प्रेस क्लब द्वारा आयोजित मेरी उड़ान मेरी पहचान सेगमेंट के तहत सीजन 6 के अंतर्गत इस प्रतियोगिता मे टफ कंपटीशन के बाद प्रदेश की 64 प्रतिभागियो को हराकर मिसेज एमपी का ताज पहना 7 इस मौके पर प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री विश्वास सारंग ने यह आवार्ड दिया।

सीहोर के लिए गौरव के क्षण लाने वाली मिसेज एमपी श्रीमती प्रियंका सिंह ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने पति मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी मे सहायक यंत्री रमेश सिंह को देते हुये कहा की उन्होंने मुझे सदैव ही प्रेरित किया और उनकी इस हौंसला अफजाई का ही नतीजा है कि मैंने यह उपलब्धि प्राप्त की है। उन्होने जिले और प्रदेश की महिलाओ को संदेश देते हुये कहा की हौसला मन मे हो तो डगर आसान हो जाती है।

## लाडली बहना योजना के लिए धनराशि की मांग करने पर व्हाट्सएप नंबर पर करें सीधी कलेक्टर से शिकायत

**सीहोर।** लाडली बहना योजना के लिए धनराशि की मांग करने पर व्हाट्सएप नंबर पर करें सीधी कलेक्टर से शिकायत कर सकते हैं। कलेक्टर प्रवीण सिंह द्वारा कलेक्टर सीहोर व्हॉट्सएप हेल्पलाइन नंबर 9303628757 जारी किया गया है। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना से संबंधित किसी भी प्रकार का कार्य कराने के लिए कोई भी व्यक्ति धनराशि की मांग करता है, तो उस व्यक्ति का वीडियो-ऑडियो तथा शिकायत इस हेल्पलाइन नंबर पर प्रेषित कर सकते है।

जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर प्रवीण सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना महिलाओं को सशक्त बनाने वाली महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना का लाभ सभी पात्र महिलाओं को मिले और कोई भी महिला इस योजना से वंचित न रहे, इसके लिए आवश्यक है कि शत-प्रतिशत नागरिकों का समग्र पोर्टल पर ई-केवाईसी कराया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने नगरीय निकायों के सीएमओं तथा जनपद सीईओ को 18 मार्च तक 80 प्रतिशत से अधिक नागरिकों की समग्र पोर्टल पर ई-केवाईसी कराने के निर्देश दिए है। ई-केवाइसी कराने के लिए सभी नगरीय निकायों एवं पंचायतों को वहां की महिला आबादी की सूची प्रदान की जा चुकी है।

कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएम, जनपद सीईओ और कॉमन सर्विस सेंटर के जिला प्रबंधक को ई-केवाईसी की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करने तथा रिपोर्ट देने के निर्देश दिए है। उन्होंने 13 मार्च को अनुभाग एवं जनपदवार सभी कॉमन सर्विस सेंटर एवं एमपी ऑनलाइन संचालकों की बैठक आयोजित कर नागरिकों की समग्र पोर्टल पर समय सीमा में ई-केवाईसी निश्चित कराने के सभी एसडीएम को निर्देश दिए है।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाइन, समाधान ऑनलाइन, सीएम मॉनिट तथा लंबित आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर ब्रजेश सक्सेना, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, एसडीएम अमन मिश्रा, विष्णु यादव सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

### सभी वीएलई/कियोस्क का भौतिक सत्यापन करने के एसडीएम को दिए निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएम को ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत सभी वीएलई (विलेज लेवल इंटरप्रीनियर)/कियोस्क से लाडली बहना योजना के लिए महिलाओं के खातों की ई-केवाईसी कराने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी एसडीएम तथा जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि सभी वीएलई/कियोस्क का भौतिक सत्यापन कर यह देखे कि जिस स्थान तथा ग्राम के लिए उन्हें प्राधिकृत किया गया है, वे वहां कार्य कर रहे है या नही। निर्धारित स्थान या लोकेशन पर क्रियाशील नही पाए जाने पर उनके विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

## ब्रज की होली और बुन्देली फागों पर झूम उठा खेलग्राम

## आलोक चतुर्वेदी के संग क्षेत्रवासियों ने मनाया होली महोत्सव

छतरपुर। छतरपुर विधायक आलोक चतुर्वेदी के सागर रोड स्थित आवास खेलग्राम पर शनिवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में छतरपुर शहर एवं विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लेकर एक-दूसरे को रंगों के पर्व होली की बधाई दी। आयोजन के दौरान ब्रज वृंदावन से आए कलाकारों ने जहां ब्रज की होली का मनोहारी मंचन किया तो वहीं जयप्रकाश पटैरिया की मंडली के द्वारा बुन्देली फागों एवं गायक खनिजदेव चौहान व मनु खरे के संगीत आयोजन ने शमा बांध दिया।

उल्लेखनीय है कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 11 मार्च की सुबह 11 बजे से खेलग्राम में एक भव्य होली महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विधायक आलोक चतुर्वेदी और उनके पुत्र नीतिश चतुर्वेदी, निखिल चतुर्वेदी ने क्षेत्रवासियों के साथ होली का रंगारंग पर्व मनाया। आयोजन के दौरान छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के हर गांव से बुन्देली की फाग टीमें एवं जनमानस को आमंत्रित किया गया। सर्वप्रथम लोकगीत गायक जयप्रकाश पटैरिया ने अपनी मंडली के साथ अनेक बुन्देली लोकगीतों एवं फागों को गाकर होली के उत्सव का शुभारंभ किया।

तदोपरांत वृंदावन से आए कलाकारों ने मंच पर लठ्ठ मार होली, फूलों की होली, द्वारकाधीष एवं सुदामा की भेंट सहित कृष्ण-राधा का महारास प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों को देखकर दर्शकों ने जमकर सराहना की। तदोपरांत बुन्देलखण्ड के जाने-माने गायकों खनिजदेव चौहान एवं मनु खरे ने अपनी सुरीली आवाज के साथ अनेक भजनों की रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के दौरान विधायक आलोक चतुर्वेदी ने कहा कि होली का यह पर्व सिर्फ घर में मनाने के लिए नहीं होता बल्कि इसे संपूर्ण जनमानस के साथ मनाया जाए तभी इसकी सार्थकता होती है। उन्होंने कहा कि छतरपुर जिला उनका परिवार है वे हमेशा छतरपुर विधानसभा क्षेत्र की तरक्की और विकास के लिए काम करते आए हैं, भविष्य में भी वे छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में सेवा, सहयोग और परोपकार के साथ काम करते रहेंगे। खेलग्राम पर आयोजित होली मिलन समारोह में आम जनमानस के साथ-साथ नगर के साधु संतों, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनेता, व्यापारी, पत्रकार, वकील सभी वर्गों एवं समाजों के लोग सम्मिलित हुए।

## डेढ़ लाख की आबादी बाले संवेदनशील थाने में 4 लेडी सिंघम का दबदबा ,सिंघम की तरह अपनी दे रही सेवाएं

रोहित चौधरी बरेली 7 बदलते समय के साथ बहुत सी चीजें भी बदल गई है जब कोई महिला पुलिस अधिकारी, प्रशासन, डॉक्टर, पायलट, मंत्री या अन्य बड़े पदों पर बैठती है तो हमने लोगों को यह कहते सुना है कि आज के समय में महिलाएं किसी से कम नहीं है वर्तमान दौर में महिलाएं हर एक क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी दर्ज कर रही हैं। जमीन से लेकर आसमान में ही नहीं अंतरिक्ष में भी उनके कदमों की छाप मौजूद है। जिस तरह से उनका कद बढ़ा है महिलाओं द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्य उनके संघर्ष में प्रेरणादायक जीवन की सफलता को प्रगट करने का अतराष्टीय महिला सप्ताह चल रहा है इसी कम में हम बात कर रहे हैं बरेली थाने की जो रायसेन जिले के सबसे संवेदनशील थाने में पदस्थ होकर सिंघम की तरह अपनी सेवाएं दे रही है 7

**कोरोना काल में योद्धा बनकर नभाई जुम्मेदारी -**

एक और कोरोना वायरस ने देश और दुनिया को पूरी तरह हिला कर रख दिया है संकट में कोरोना कर्मवीर योद्धा बनकर चौबीसों घंटे ड्यूटी में तैनात रहकर अपना फर्ज निभाया लाखों महिलाएं चुनौतियों के बीच अपने फर्ज पर डटी रही थी संक्रमण के बीच रुकी नहीं थकी नहीं 24 घंटे बिना आराम किए उप निरीक्षक अरुणा साना उपनिरीक्षक सुनंदा खरे और एएसआई रानी चौहान ने निरंतर काम किया 7 थाने में पदस्थ महिला दंबग महिलाएं कहती हैं संक्रमण के बीच हमें एक बड़ी चुनौती मिली थी और हमने चौबीसों घंटे काम कर अपना फर्ज निभा था हमारे लिए चुनौती बड़ी है जिसका हम सब ने डटकर मुकाबला किया हालात बहुत खराब आए लेकिन फर्ज से कभी नहीं हट और आए सब स्थितियां समान हो गई आज वह दौर याद कर रूह कांप जाती है 7

**बरेली थाने की संभाल रही जिम्मेदारी -**

वही डेढ़ लाख की आबादी बाले रायसेन जिलें के सबसे संवेदनशील बरेली थाने मे महज 4 महिला पुलिसकर्मी पदस्थ है जिनमें दो उपनिरीक्षक वैष्णवी जैन, सुनंदा खरे तैनात एवं एक सहायक उपनिरीक्षक रानी चौहान एवं एक हेड कांस्टेबल रीना पूर्वी है थाना अतर्गत क्षेत्र सीमा में डेढ़ लाख की आबादी रहती है इतनी लोगों की जिम्मेदारी थाना प्रभारी आशीष सपे के नेतृत्व में संभाल रही है हलाकि लोगों की समस्याओं को हल करना महिला होने के नाते चुनौती भी लेकिन अपने कर्तव्य को फर्ज के साथ निभा रही हैं 7 2017-18 पुलिस सेवा में भर्ती हुई महिला सब इंस्पेक्टर अरूणा साना और सुंनदा खरे कई थाने में सेवाएं देने का मौका मिला है आपको बता दें कि वरेली क्षेत्र हमेशा संवेदनशील थाना माना जाता है उसके बाद भी यहां पर लेडी सिंघम की तरह अपनी सेवाएं दे रही हैं और मिलनसार व्यक्तित्व के चलते शहर में हमेशा चर्चाओं में भी बनी रहती हैं।

## मुर्गा बने कोटवार , कहा परमानेंट कर्मचारी घोषित करो सरकार

**सीहोर।** सरकार की बेरूखी से दुखी कोटवारों ने शनिवार को धरना स्थल पर मुर्गाबनकर विरोध जताया। कोटवारों के द्वारा मुर्गा बनकर अपनी लाचारी और सरकार की उनके प्रति बेरूखी दिखाई गई। अपनी मांगों के प्रति मुख्यमंत्री के ध्याना आकर्षण के लिए मुर्गा बनकर कोटवारों ने प्रदर्शन किया। मुर्गा बनाने जैसे अंग्रेजों के शासन में बने गुलामी के नियमों से आजादी दिलाकर सरकारी कर्मचारी घोषित करने की मांग कोटवारों चौकीदारों के द्वारा की गई।

कोटवारों के द्वारा दस मार्च से प्रदेश स्तरीय आहवान पर जिला मुख्यालय स्थित टाउन हॉल के सामने धरना दिया जा रहा है।मध्य प्रदेश ग्राम रक्षक कोटवार चौकीदार संघ के द्वारा सरकारी कर्मचारी घोषित करने वेतन बढाने,राजस्व के कामों के लिए आने जाने का भत्ता उपलब्ध कराने सेवाभूमि पर मालिकाना हक देने, सेवाभूमि को दंबगों से छुड़ाने शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने नीली वर्दी का रंग खाकी करने जैसी विभिन्न मांगों को लेकर कामबंद हड़ताल की जा रही है।

मध्य प्रदेश ग्राम रक्षक कोटवार चौकीदार संघ जिलाध्यक्ष छगनलाल मालवीय ने बताया की ग्राम कोटवारों का जीवन मुर्गे जैसा ही हो गया है हर एक सरकारी विभाग हमसे काम लेना चाहता है, लेकिन कुछ देना नही चाहता है। कोटवारों को इस बढती महंगाई में मात्र 400 रूपये माह वेतन मिलता है जोकी 12 रूपये रोज होता है इस राशि में घर चलाना मुश्किल होता है मनरेगा की मजदूर की मजदूरी भी 200 रूपये से अधिक है। सेवाभूमि पर भी मालिकाना हक नही है अनेक कोटवारों की सेवाभूमि पर दबंग लोगों का कब्जा है राजस्व विभाग का अमला भी हमारी मदद नही करता है। प्रदेश व्यापी आंदोलन में जिले के सैकड़ों प्रत्येक गांव के चौकीदार शामिल हो रहे है।

## पाम ऑयल के उपयोग सम्बंधित समाचार लेखों पर जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स का स्पष्टीकरण

सीहोर । यह स्पष्ट किया जाता है कि सीहोर में जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स फैक्ट्री गुणवत्ता मानकों के अनुसार विनिर्माण और एफएसएसएआई मानकों और खाद्य सुरक्षा मानदंडों के अनुसार ÷दोनों÷ डेयरी और गैर-डेयरी खाद्य उत्पादों का उत्पादन करता है। जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड भारतीय घरेलू बाजार में खाद्य उत्पादों की विभिन्न वस्तुओं का क्व्रक्निर्माता और आपूर्तिकर्ता है और विश्व स्तर पर 20 से अधिक देशों को निर्यात करता है।

पनीर उन डेयरी उत्पादों में से एक है जिसका उत्पादन कंपनी की सीहोर फेसिलिटी में किया जा रहा है। सीहोर फेसिलिटी में निर्मित कुछ गैर-डेयरी उत्पादों में उनके प्रमुख अवयवों में से एक के रूप में दिशानिर्देशों के अनुसार पाम ऑइल की ज़रूरत होती है, एफएसएसएआई मानकों और खाद्य सुरक्षा मानदंड के अनुसार इन अन्य डेयरी उत्पादों में टेबल मार्जरीन, मेयोनीज़, एनालॉग चीज़ और एनालॉग श्रेणियां शामिल हैं।

कंपनी के पास केंद्रीय एफएसएसएआई लाइसेंस है जिसमें हमारे पास उनके नियामक दिशानिर्देशों के अनुसार डेयरी और गैर-डेयरी उत्पादों की विभिन्न श्रेणियां हैं। घरेलू बी2सी खुदरा बाज़ार में बेचे जाने वाले उत्पादों की श्रेणी में विनियमों के आदेशानुसार हर उत्पाद की बाहरी पैकेजिंग पर सामग्री की सूची का उल्लेख होता है।

कंपनी पर वेंडर ऑडिट के साथ एफएसएसएआई सक्षम प्राधिकारी द्वारा अघोषित ऑडिट किये जाते हैं। कंपनी ने अब तक किए गए सभी ऑडिट में ÷ए÷ ग्रेड हासिल किया है और किसी भी ऑडिटर द्वारा कभी भी कोई दोष नहीं पाया गया है।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में उत्पादों की बी2बी आपूर्ति को भी खरीद कंपनियों और ब्रांडों द्वारा गुणवत्ता के लिए जांचा और विनियमित किया जाता है। हम विनियमन के दिशानिर्देशों के अनुसार आंतरिक और बाह्य गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हैं। हम पूरी तरह से खाद्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली का पालन करते हैं और सभी वैधानिक और कानूनी आवश्यकताओं का पालन करते हैं। कंपनी को घरेलू और वैश्विक बाजारों के लिए अनिवार्य सभी महत्वपूर्ण प्रमाणपत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें से कुछ प्रमाणपत्रों में %फूड सेफ़्टी मैनेजमेंट सिस्टम स्टैंडर्ड ऑफ़ आईएसओ 22000ः2018%, %क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम स्टैंडर्ड ऑफ़ आईएसओ 9001ः2008%, भारत सरकार की %भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की एक्सपोर्ट इंस्पेक्शन काउंसिल%, का %ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड% (बीआईएस), %दुग्ध उत्पादों के निर्यात के लिए गुणवत्ता के अनुमोदन का प्रमाण पत्र%, %बीआरसी% और %यूएसएफडीए% प्रमाणीकरण शामिल हैं।

## पुलिस प्रशाशन के नाक के नीचे जुबैर कबाड़ी के नाम खप रहा लाखों का कबाड़

**विश्व भूषण पाण्डेय शहडोल।** जिले भर मे इन दिनों पुलिस प्रशाशन की कार्यवाही ने सभी के दिलो को थामने पर मजबूर कर दिया है फिर चाहे वह दुष्कर्म से पीड़िता को न्याय दिलाने का हो या अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने का हो पर जिले के पुलिस अधीक्षक के कार्यवाही को पलिता लगाने का कार्य इन दिनों इन्ही के आधीन कुछ कर्मचारियों द्वारा ले लिया गया है जहाँ पर प्रशाशन को गुमराह करते हुए कुछ अवैध कारोबारियों को सह देकर लाखो का माल इस पार से उस पार तक खपाया जा रहा है सूत्रों की माने तो इन दिनों जहाँ पुलिस अधीक्षक की कड़ी कार्यवाही से चोरो के मन मे दम्भ है तो वही जिले के एक कबाड़ी जुबैर का इन दिनों दूसरों के नाम पर अवैध कबाड़ का कारोबार अपने चरम पर है प्राप्त जानकारी अनुसार इन दिनों जुबैर द्वारा पुरानी बस्ती घरौंला महौला सहित सोहागपुर व कल्याणपुर मे इन दिनों अवैध कबाड़ को गलाया जा रहा है और धीरे धीरे शहर के बाहर इस कबाड़ को पलटाया जा रहा है जिसके चलते पुलिस अधीक्षक को कड़ी कार्यवाही के नाम पर सवालों का घेरे खड़े हो रहे है 7

**पुलिस की पकड़ से दूर जुबैर कबाड़ी–** जहाँ पुलिस प्रशाशन गड़े मुर्दे उखाड़ने मे भी समय नहीं लगाती वही ना जाने किन कारणों से आज जुबैर जैसे कबाड़ी प्रशाशन की नाक के नीचे अवैध कारोबार को अंजाम देते हुए प्रशाशन की पकड़ से दूर है आश्चर्य है की जिस प्रशाशन पे देश भर की जनता विश्वास कर अपने और अपनों की सुरक्षा का विश्वास रखती है आज उसी पुलिस की सह कहे या जान बने अनजान वाली बात पर इस तरीके से सब सामने होकर भी प्रशाशन की पकड़ से दूर होना अपने आप मे बड़े सवालों का घेरा है 7

**कही पिकप तो कही मीनी ऑटो से खाप रहा कबाड़–** सूत्रों की माने तो जुबैर द्वारा सामने से अपने ठिहो को बंद दिखाकर पीछे के रास्तो से कही पिकअप को कही छोटा हाथी के माध्यम से अपने इस अवैध कारोबार को अंजाम दिया जा रहा है और अपने पूरे माल को ट्रकों से जबलपुर तक पहुंचाया जा रहा है तो वही पुलिस प्रशासन की माने तो उक्त कबाड़ी फरार है और सारे ठीहे बंद है पर असल मे तो मजारा ही कुछ और है जिसके चलते पुलिस की कठोर कार्यवाही जन चर्चा मे अनेको सवालों से घिर रही है

**सत्ताधारी से रखते है ताल्लुक –** जनचर्चा की माने तो तथाकथित कबाड़ी किसी सत्ताधारी दल के नेता जी से ताल्लुक भी रखते है जिसके चलते इनके ऊपर कार्यवाही का चाबुक चलना थोड़ा कठिन साबित हो रहा है तो वही अपने क्षेत्र की कुछ लल्लू भग्गू से तो इनका यह तक कहना है की अमिताभ बच्चन की डॉन फ़िल्म की तर्ज पर जल्द ही पूरे शहर को अपने आधीन करना मेरे लिये चुटकीयों का खेल हो गया है मै जब चाहूं जिसको चाहूं जेब मे रख लूंगा अब देखना यह है की पुलिस प्रशाशन का चाबुक

# एक स्कूल जिसकी फीस सुन कर उड़ जायेंगे होश

बच्चों की पढ़ाई आए दिन महंगी होती जा रही है. स्कूलों की फीस भरने के लिए लोन तक लेने पड़ जा रहे हैं. वहीं, विश्व में एक स्कूल ऐसा है जिसकी सालाना फीस 1 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है.

इस स्कूल का नाम College Alpin International Beau Soleil है, जो स्विट्जरलैंड के स्विस आल्प्स में स्थित है. इस स्कूल को lpin Beau Soleil के नाम से जाना जाता है. स्विट्जरलैंड में स्थित इस स्कूल की स्थापना आज से 113 साल पहले हुई थी. साल 1910 में मैडम व्लूएट फेरियर द्वारा स्थापित इस स्कूल में दुनियाभर से बच्चे पढ़ने आते हैं.

यह एक बोर्डिंग स्कूल है जिसमें 11 साल से 18 साल के बच्चे पढ़ते हैं. Beau Soleil स्कूल की फीस मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, Beau Soleil दुनिया का सबसे महंगा स्कूल है. इस स्कूल की सालाना फीस लगभग 1.33 करोड़ रुपये है. इस स्कूल में हर साल 280 बच्चों का दिखाला होता है.

इस स्कूल की खासियत यह है कि यहां छात्रों और शिक्षकों का अनुपात 4ञ1 का है. आंख की हर बीमारी का होगा इलाज, IIT Kanpur ने रिलायंस लाइफ साइंसेज को दिया जीन थेरेपी लाइसेंस स्कूल के प्रिंसिपल स्टूअर्ड व्हाइट के अनुसार, इस स्कूल मे पढ़ाई दो लैंग्वेज में होता है. यहा सिर्फ फ्रेंच और अंग्रेजी में पढ़ाया जाता है. इस स्कूल का इनडोर-आउटडोर स्टडी प्लान काफी





मशहूर है. यहां टेनिस कोर्ट, शूटिंग रेंज , एक्रेस्ट्रेन सेंटर और एक शानदार कॉन्सर्ट हॉल भी है. दुनिया भर में एजुकेशनल ट्रिप और कैंपस प्लेसमेंट की सुविधाएं भी दी जाती है. ज्यादा जानकारी के लिए ऑफिशियल वेबसाइट विजिट करें. कैसे लें एडमिशन?

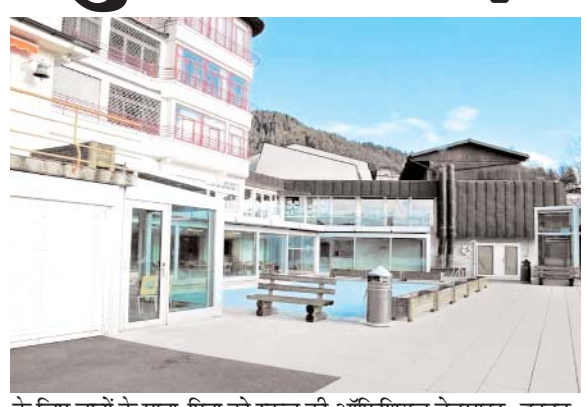

इस स्कूल में 50 देशों के छात्र पढ़ने आते हैं. इस स्कूल में एडमिशन लेने के लिए छात्रों के माता-पिता को स्कूल की ऑफिशियल वेबसाइट- ड्डद्गड्डह्व-ह्यश्चद्यद्गद्बद्य.ष्द्ध पर जाकर एप्लीकेशन फॉर्म डाउनलोड करना होगा. सबसे पहले एप्लीकेशन फॉर्म भरना होगा. इसके बाद पिछले स्कूल के विवरण जमा करना होता है. किस द्वीप पर बसाई जा रही इंडोनेशिया की नई राजधानी? पढ़ें आज के करेंट अफेयर्स आवेदन करने के लिए एप्लीकेशन फीस के तौर पर ष्ट॥स्न 3000 यानी 2.67 लाख रुपये जमा करने होंगे. बता दें कि यह फीस नॉन रिफंडेबल होती है. फीस जमा करने के बाद पैरेंट्स को स्कूल बुलाया जाता है. यहां एडमिशन टीम पैरेंट्स को स्कूल कैंपस घुमाती है और स्कूल के नियमों के बारे में बताती है. इस दौरान ही गणित और इंग्लिश में प्लेसमेंट टेस्ट पूरा करने के लिए कहा जाता है. लास्ट में फाइनल एक हफ्ते का समय दिया जाता है.

## ग्लोबल सर्फेसेज़ लिमिटेड 13 मार्च 2023 को आईपीओ लॉन्च करेगी

**जयपुर।** ग्लोबल सर्फेसेज़ लिमिटेड (जीएसएल), 1991 में निगमित और जयपुर, राजस्थान में स्थित, प्राकृतिक पत्थरों के प्रसंस्करण और इंजीनियर्ड क्वार्ट्ज के निर्माण के व्यवसाय में लगी हुई है। कंपनी अपना आईपीओ 13 मार्च, 2023 को लॉन्च करेगी और इसका इश्यू 15 मार्च, 2023 को बंद होगा। यूनिस्टोन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड आईपीओ का प्रमुख प्रबंधक है, और बिगशेयर सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड इश्यू का रजिस्ट्रार है। साथ ही इन्वेस्टमेंट पॉइंट ने शेयर में निवेश करने के लिए सब्सक्राइब रेटिंग दिया है

ग्लोबल सर्फेसेज़ आईपीओ 10 रुपये के अंकित मूल्य के 11,070,000 इक्विटी शेयरों का एक मुख्य-बोर्ड आईपीओ है जो 154.98 करोड़ रुपये तक समेकित करता है। इश्यू की कीमत 133 रुपये से 140 रुपये प्रति शेयर है। इन शेयरों को बीएसई (ब्स्श्च) और एनएसई (ह्स्श्च) दोनों पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

कंपनी अब अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी ग्लोबल सर्फेसेज़ एफजेडई (स्न्ंश्च) के माध्यम से दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में इंजीनियर्ड क्वार्ट्ज के निर्माण के लिए एक समर्पित इकाई स्थापित करने का इरादा रखती है। नवाचार और प्रौद्योगिकी पर जीएसएल के फोकस ने इसे प्रतिस्पर्धा से आगे रहने और अपनी निर्माण दक्षता, लागत-प्रभावशीलता और स्थिरता में सुधार करने में सक्षम बनाया है। कंपनी ने अपने राजस्व में लगातार वृद्धि दिखाई है, वित्तीय वर्ष 2022 से राजस्व 190 करोड़ रुपये में प्राप्त हो रहा है तथा वित्तीय वर्ष 2021 में 174 करोड़ रुपये से बढ़ रहा है। कंपनी वित्त वर्ष 22 के लिए पीबीटी के साथ 35.6 करोड़ रुपये पर रिपोर्ट की गई है, और पीएटी 1.1 करोड़ रुपये पर आ गया है। ग्लोबल सर्फेसेज़ लिमिटेड (जीएसएल) को मयंक शाह द्वारा प्रवर्तित किया गया है जो कंपनी के विकास में सहायक रहे हैं। जीएसएल की दो निर्माण इकाइयां रणनीतिक रूप से प्रमुख कच्चे माल की उपलब्धता के निकट स्थित हैं। कंपनी के उत्पाद फर्श, दीवार पर चढ़ने, काउंटरटॉप्स, कट-टू-साइज़ और अन्य वस्तुओं में अपना अनुप्रयोग पाते हैं। जीएसएल के उत्पाद वाणिज्यिक और आवासीय उद्योग दोनों में उपयोग किए जाते हैं और भारत के भीतर और बाहर बेचे जाते हैं।कंपनी की दो इकाइयां हैं, एक रीको औद्योगिक क्षेत्र, बगरू एक्सटेंशन, बगरू, जयपुर, राजस्थान में और दूसरी महिंद्रा वर्ल्ड सिटी एसईजेड , जयपुर, राजस्थान में स्थित है। दोनों इकाइयां उत्पादों के प्रसंस्करण और निर्माण में संलग्न हैं।

## पाम ऑयल के उपयोग सम्बंधित समाचार लेखों पर जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स का स्पष्टीकरण

**सीहोर ।** यह स्पष्ट किया जाता है कि सीहोर में जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स फैक्ट्री गुणवत्ता मानकों के अनुसार विनिर्माण और एफएसएसएआई मानकों और खाद्य सुरक्षा मानदंडों के अनुसार दोनों डेयरी और गैर-डेयरी खाद्य उत्पादों का उत्पादन करता है। जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड भारतीय घरेलू बाजार में खाद्य उत्पादों की विभिन्न वस्तुओं का क्व2क्वनिर्माता और आपूर्तिकर्ता है और विश्व स्तर पर 20 से अधिक देशों को निर्यात करता है।

पनीर उन डेयरी उत्पादों में से एक है जिसका उत्पादन कंपनी की सीहोर फेसिलिटी में किया जा रहा है। सीहोर फेसिलिटी में निर्मित कुछ गैर-डेयरी उत्पादों में उनके प्रमुख अवयवों में से एक के रूप में दिशानिर्देशों के अनुसार पाम ऑइल की ज़रूरत होती है, एफएसएसएआई मानकों और खाद्य सुरक्षा मानदंड के अनुसार इन अन्य डेयरी उत्पादों में टेबल मार्जरीन, मेयोनीज़, एनालॉग चीज़ और एनालॉग श्रेणियां शामिल हैं।

कंपनी के पास केंद्रीय एफएसएसएआई लाइसेंस है जिसमें हमारे पास उनके नियामक दिशानिर्देशों के अनुसार डेयरी और गैर-डेयरी उत्पादों की विभिन्न श्रेणियां हैं। घरेलू बी2सी खुदरा बाज़ार में बेचे जाने वाले उत्पादों की श्रेणी में विनियमों के आदेशानुसार हर उत्पाद की बाहरी पैकेजिंग पर सामग्री की सूची का उल्लेख होता है। कंपनी पर वेंडर ऑडिट के साथ एफएसएसएआई सक्षम प्राधिकारी द्वारा अघोषित ऑडिट किये जाते हैं। कंपनी ने अब तक किए गए सभी ऑडिट में ए ग्रेड हासिल किया है और किसी भी ऑडिटर द्वारा कभी भी कोई दोष नहीं पाया गया है।

# एसवीबी का पतन भारत के स्टार्टअप परिवेश पर डालेगा प्रतिकूल असर

**वाशिंगटन, एजेंसी।** स्टार्टअप परिवेश के लिए सबसे बड़े बैंक सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) के दिवालिया होने से क्षेत्र में रातो-रात ही अनिश्चितता के हालात बन गए हैं और इससे भारत के स्टार्टअप परिदृश्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। उद्योग के विशेषज्ञों ने यह कहा। सिलिकॉन वैली में वेंचर कैपिटलिस्ट एवं आरंभिक चरण के निवेशक आशु गर्ग ने कहा, ''हम आशा करते हैं कि यह मामला जल्द सुलझ जाएगा। लेकिन मेरा मानना है कि इससे भारतीय स्टार्टअप बहुत अधिक प्रभावित होंगे। दुनिया के जानेमाने प्रौद्योगिकी स्टार्टअप और उद्यम पूंजी कंपनियां सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) को अच्छी तरह से जानती हैं। एसवीबी के दिवालिया होने के बाद इसके नियामक ने बैंक की संपत्ति को जब्त कर उसे बंद कर दिया है।




बैंक में खाता रखने वाले कुछ स्टार्टअप को अपने कर्मचारियों को भुगतान करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें डर है कि अगल वे अपने धन का इस्तेमाल नहीं कर सके, तो उन्हें अपनी परियोजनाओं को रोकना पड़ सकता है। गर्ग ने कहा, ''सिलिकॉन वैली बैंक भारतीय स्टार्टअप के लिए एक वास्तविक समर्थक रहा है और उसने उन्हें बैंकिंग सेवाएं दी हैं। अमेरिका में कारोबार करने वाले ज्यादातर भारतीय स्टार्टअप इसी बैंक की सेवाएं लेते हैं। यह उन चुनिंदा संस्थानों में से है जो भारतीय बैंकों के साथ काम करने का इच्छुक है। अन्यथा बड़ी संख्या में बैंकिंग संस्थान विदेशी ग्राहकों के साथ काम नहीं करना चाहते।

सिलिकॉन वैली में हर तीसरे स्टार्टअप के संस्थापक भारतीय-अमेरिकी हैं, इस तथ्य पर गौर करते हुए विशेषज्ञ कहते हैं कि इन संस्थापकों को अगले हफ्ते से ही परेशानी का सामना करना पड़ेगा, कर्मचारियों को वेतन देने और बुनियादी भुगतान में दिक्कतें आ सकती हैं। गर्ग ने कहा कि एसवीबी के पतन का भारतीय-अमेरिकी लोगों और उनकी कंपनियों पर बहुत गंभीर असर होने वाला है। सिलिकॉन वैली के वेंचर कैपिटलिस्ट के एक समूह ने हालिया घटनाक्रम के विषय पर एक बैठक की जिसके बाद कहा कि बीते 48 घंटों में जो कुछ भी हुआ है वह बहुत ही निराशाजनक और चिंता पैदा करने वाला है। आरंभिक चरण के निवेशक भारतीय-अमेरिकी नवीन चड्ढा ने कहा, ''यदि एसवीबी को खरीदने और उसमें पूंजी लगाने के प्रयास होते हैं तो हम इसका मजबूती से समर्थन करेंगे और हमारी पोर्टफोलियो कंपनियों को बैंकिंग संबंध बनाए रखने के लिए प्रेरित करेंगे।

## सिलिकॉन वैली बैंक बंद होने से एक भारतीय बैंक पर भी असर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका के बड़े रिटेल बैंकों में से एक सिलिकॉन वैली बैंक डूब गया है। इसका असर वहां के बैंकिंग सिस्टम पर पड़ने की आंशका जताई जा रही है, लेकिन आपका जानकार हैरानी होगी कि इस अमेरिकी बैंक फेल होने के कारण एक भारतीय बैंक को सफाई देनी पड़ी है। दरअसल मुंबई में एसवीबी बैंक नाम से एक कोऑपरेटिव बैंक है। अमेरिका में डूब चुके बैंक का नाम एसवीबी है। दोनों बैंकों की ब्रांडिंग का रंग भी एक ही है। इस कारण लोग दोनों बैंकों के नामों को लेकर कंफ्यूज हो रहे हैं। इस पर बैंक ने सफाई जारी की है। मुबंई के एवीसी कोऑपरेटिव बैंक ने स्पष्टीकरण जारी कर कहा है कि एसवीबी बैंक किसी भी प्रकार से अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित सिलिकॉन वैली बैंक से संबंधित नहीं है। हम अपने सदस्यों, ग्राहकों और अन्य पक्षों से अनुरोध करते हैं कि वे बेबुनियाद अफवाहों पर ध्यान न दें। साथ ही बैंक ने कहा कि वे ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन लेंगे, जो ब्रांडिंग की समानता के कारण अफवाह फैला रहे हैं।

### सिलिकॉन वैली बैंक

सिलिकॉन वैली बैंक अमेरिका का 16वां सबसे बड़ा रिटेल बैंक है। बैंक के पास लोगों की 175 अरब डॉलर की राशि जमा है। फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन की ओर से बैंक के जमा पर नियंत्रण हासिल कर लिया गया है। इसके साथ ही अमेरिका प्रशासन की ओर से डिपॉजिटरों को आश्वासन दिया गया है कि सोमवार को बैंक की सभी ब्रांच खुलेंगी। इसे अमेरिका में 2008 के बाद सबसे बड़ा बैंकिंग क्राइसिस माना जा रहा है। इसके संकट में आने के कारण अमेरिका के साथ दुनिया के बाजारों में बीते शुक्रवार को गिरावट देखी गई थी।

## जल्द ही महंगाई से मिलेगी राहत , सरकार उठा रही कदम

### आरबीआई एमपीसी की सदस्य आशिमा गोयल ने बताया प्लान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आरबीआई मौद्रिक नीति कमेटी की सदस्य आशिमा गोयल ने रविवार को कहा कि इस साल महंगाई दर में कमी देखने को मिल सकती है। सरकार लगातार अपूर्ति श्रृखंला को ठीक करने के लिए कमद उठा रही है। इस कारण देश में कीमतें अन्य देशों के मुकाबले धीमी गति से बढ़ेगी।

गोयल ने समाचार एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि भारत पिछले तीन सालों में काफी सारे झटकों से सफलतापूर्वक उबरा है। उम्मीद की जा रही है कि इस साल महंगाई दर में कमी आएगी। महंगाई कम करने के लक्ष्य के साथ अपूर्ति श्रृखंला को ठीक करने के लिए उठाएं गए कदमों के कारण अन्य देशों के मुकाबले भारत में महंगाई दर कम रही है। अधिक महंगाई दर के आदर्श बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि वास्तविक सकारात्मक दर बनाए रखने के लिए महंगाई के साथ सांकेतिक नीतिगत दरें बढ़ती हैं, इससे मांग और तेजी से नहीं बढ़ती है और महंगाई की दर भी कम होती है। वहीं, एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि नीतिगत बदलावों के कारण आज भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया के मुकाबले तेजी से विकास कर रही है। हालांकि, वैश्विक मंदी की आंशका के कारण विनिर्माण और निर्यात प्रभावित हो सकता है।

**आरबीआई ने घटाया महंगाई का अनुमान-** मार्च के पहले हफ्ते में आरबीआई की ओर से जारी की गई मौद्रिक नीति में चालू वित्त वर्ष के लिए महंगाई दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। जनवरी में खुदरा महंगाई दर 6.52 प्रतिशत थी। बात दें, आरबीआई की ओर से खुदरा महंगाई दर को 2 से 6 प्रतिशत के बीच रखने का लक्ष्य रखा हुआ है।

**विकास दर का अनुमान-** वित्त मंत्रालय के आर्थिक सर्वेक्षण ने अप्रैल 2023 से शुरू होने वाले वित्त वर्ष 2023-24 में आर्थिक विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जबकि आरबीआई ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 7 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

## फरवरी में घटा दो पहिया, तीन पहिया और यात्री वाहनों का निर्यात

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत से दोपहिया, तीन पहिया और यात्री वाहनों का निर्यात फरवरी में 35 प्रतिशत घट गया है। इसकी मुख्य वजह गंतव्य देशों विशेषकर अफ्रीका महाद्वीप में अमेरिकी डॉलर की तुलना में मुद्राओं में कमजोरी आना है। उद्योग संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के आंकड़ों के मुताबिक पिछले महीने दोपहिया, यात्री वाहन और तीन पहिया वाहनों का निर्यात घटकर 3,01,561 इकाई रह गया जो फरवरी 2022 में 4,63,025 इकाई था।



इन आंकड़ों के मुताबिक फरवरी 2022 में 3,75,689 दो पहिया वाहनों का निर्यात हुआ था जो इस वर्ष फरवरी में 37 प्रतिशत घटकर 2,35,087 इकाई रह गया। मोटरसाइकिल निर्यात 2,01,097 इकाई रहा है जो पिछले वर्ष फरवरी में 3,49,221 इकाई था। हालांकि स्कूटर निर्यात पिछले वर्ष की 24,830 इकाई की तुलना में इस वर्ष फरवरी में बढ़कर 33,378 इकाई पर पहुंच गया। तीन पहिया वाहनों का कुल निर्यात फरवरी 2022 की 35,997 इकाइयों की तुलना में 45 प्रतिशत गिरकर 19,640 इकाई रह गया।

सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, ''बीते कुछ महीनों से दो पहिया, तीन पहिया और वाणिज्यिक वाहनों के निर्यात में गिरावट देखने को मिल रही है क्योंकि कई स्थानों विशेषकर अफ्रीका तथा अन्य विकासशील देशों की मुद्राओं में अवमूल्यन हुआ है। उन्होंने कहा कि ये देश विदेशी कोष की उपलब्धता को लेकर परेशानी का सामना कर रहे हैं जिससे वाहनों की बिक्री सीमित हो रही है और देश आवश्यक वस्तुओं के आयात पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। हालांकि इन बाजारों में उपभोक्ताओं की ओर से वाहनों की मांग बनी हुई है।

यात्री वाहनों का कुल निर्यात नौ फीसदी गिरकर 46,486 इकाई रह गया है जो पिछले वर्ष फरवरी में 51,213 इकाई था। यात्री कारों का निर्यात 25,207 इकाई रहा जो पिछले वर्ष 33,515 इकाई था।

## एपल भारत में दे सकती है तीन लाख नए रोजगार, कंपनी का रिटेल स्टोर पर रहेगा जोर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईफोन बनाने वाली एपल भारत पर अपना फोकस बढ़ा रही है। इससे यह वित्त वर्ष 2026 तक भारत में तीन लाख रोजगार दे सकती है। इसमें से करीब एक तिहाई नौकरियां प्रत्यक्ष रूप से होंगी, जबकि दो लाख अप्रत्यक्ष रूप से होंगी। वित्त वर्ष 2024 में इसके 1.20 लाख रोजगार पैदा करने की उम्मीद है। इसमें 80,000 अप्रत्यक्ष और 40,000 प्रत्यक्ष रोजगार हो सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक, ज्यादातर नौकरियां निर्माण क्षेत्र में मिलेंगी। इसके बाद खुदरा क्षेत्र में भी कुछ रोजगार पैदा होंगे। टीमलीज सर्विसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ-स्टाफिंग) कार्तिक नारायण ने कहा, हम पहले से ही एपल के ठेकेदार की ओर से निर्माण क्षेत्र में नौकरियों में तेजी का रुझान देख रहे हैं। जिस तरह से कंपनी अतिरिक्त संयंत्रों, कारखानों की योजना बना रही है, उससे अगले 36 महीनों में अतिरिक्त 1 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी।

**कंपनी का रिटेल स्टोर पर रहेगा जोर-** कंपनी भारत में रिटेल स्टोर पर फोकस करने की योजना बना रही है। इसमें एक मुंबई में और एक दिल्ली में होगा। उसके बाद कुछ शहरों में फ्रेंचाइजी वाले स्टोर भी खोले जाएंगे। ऐसे में प्रति रिटेल स्टोर में कम से कम 100-150 नौकरियां पैदा होंगी। फ्लैगशिप स्टोर्स के लिए यह संख्या 700-800 तक हो सकती है, जो ज्यादातर टियर-1 शहरों में केंद्रित होंगी।

## शीर्ष दस में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.03 लाख करोड़ रुपए घटा

**नई दिल्ली एजेंसी।** शेयर बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच देश की दस सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ का संयुक्त रूप से मूल्यांकन पिछले सप्ताह 1,03,732.39 करोड़ रुपए घट हो गया जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई के 30 शेयरों वाले सूचकांक सेंसेक्स में 673.84 अंक यानी 1.12 प्रतिशत की गिरावट रही। भारती एयरटेल और आईटीसी को छोड़कर बाकी की आठ कंपनियों की बाजार हैसियत घटी है।




शीर्ष दस कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा नुकसान में रही। उसका बाजार मूल्यांकन 41,878.37 करोड़ रुपए घटकर 15,71,724.26 करोड़ रुपए रह गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 18,134.73 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 5,88,379.98 करोड़ रुपए रही। एचडीएफसी बैंक का पूंजीकरण 15,007.38 करोड़ रुपए घटकर 8,86,300.20 करोड़ रुपए और भारतीय स्टेट बैंक का 12,360.59 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 4,88,399.39 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी का मूल्यांकन 6,893.18 करोड़ रुपए घटकर 4,77,524.24 करोड़ रुपए रह गया। टीसीएस का मूल्यांकन 4,281.09 करोड़ रुपए घटकर 12,18,848.31 करोड़ रुपए रह गया। इंफोसिस की बाजार हैसियत 3,555.83 करोड़ रुपए घटकर 6,19,155.97 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर की 1,621.22 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 5,78,739.57 करोड़ रुपए हो गई। दूसरी तरफ भारती एयरटेल फायदे में रही और उसका बाजार पूंजीकरण 5,071.99 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 4,31,230.51 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

## पाकिस्तान की जीडीपी से 3 गुना ज्यादा सोना तो हमारी आलमारी में पड़ा

### 25000 टन गोल्ड भारतीय महिलाओं के पास

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। वजह भी थी, साल 1739 में पर्शिया के शासक नादिर शाह ने दिल्ली पर हमला कर इतना सोना लूटा कि अगले तीन सालों तक वहां किसी तो टैक्स देने की जरूरत नहीं पड़ी। ईरान ही नहीं मुगल शासकों, ब्रिटेन सबने भारत से सोने की लूट की। भारत से सोना लूटने के बाद भी हम सोने के मामले में बड़े-बड़े देशों को पछाड़ देते हैं। भारतीय बैंकों की तुलना में भारत के घरों की आलमारियों, तिजोरियों में अधिक सोना भरा हुआ है। भारतीय महिलाओं का गोल्ड को लेकर शौक किसी से छिपा नहीं है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक भारतीय महिलाएं के पास करीब 25000 टन सोना है। इस गोल्ड की कीमत 1.4 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 107 लाख करोड़ के आसपास है।

**सोने में मालामाल भारतीय –** भारत सोने के मामले में दुनिया के टॉप देशों को पछाड़ देता है।

कुछ आंकड़ों पर गौर करते हैं, जो बताएगा कि भारतीयों के लिए गोल्ड की चाहत कितनी हैं। चीन में 673 टन सोने की ज्वैलरी साल 2021 में खरीदी गई। वहीं भारत में इसी दौरान 611 टन सोने की ज्वैलरी खरीदी गई। 30 से 40 टन सोना तो भारत के लोग अक्षत तृतीया पर खरीद लेते हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक भारतीय महिलाओं के पास 25000 टन सोना है। भारतीय महिलाओं की आलमारी में इतना गोल्ड है, जितना अमेरिका, जर्मनी, रूस जैसे देशों के गोल्ड रिजर्व में नहीं है। इसकी कीमत 107 लाख करोड़ के आसपास है। ये कीमत पाकिस्तान की जीडीपी का तीन गुना है।

**क्यों जरूरी है सोना-** किसी भी देश की इकोनॉमी के लिए सोना बहुत अहम होता है। गोल्ड रिजर्व किसी भी देश की इकोनॉमी को मजबूती देता है। सोने का रिजर्व करेंसी को मजबूत बनाए रखता है। मजबूत करेंसी से इंपोर्ट-एक्सपोर्ट में आसानी से होती है। व्यापार बढ़ने से महंगाई कम होती है और देश की जीडीपी में बढ़ोतरी होती है। यानी सोना किसी भी देश की इकोनॉमी को मजबूती देने के लिए अहम है। भारतीय घरों में रखे सोने की कीमत भारत की जीडीपी का 45 फीसदी है।

**इस मामले में 8 देशों से आगे हैं हम-** भारतीय महिलाओं के पास जितना सोना है, उतना अमेरिका, जर्मनी समेत 8 देशों के केंद्रीय बैंकों के पास भी नहीं है। साल 2021-22 के वर्ल्ड गोल्ड रिजर्व के आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका के केंद्रीय बैंक में 8133.47 टन गोल्ड रिजर्व है। वहीं जर्मनी के पास 3358.50 टन सोना रिजर्व में है। रूस के पास 2301.64 टन सोना बैंक में है। चीन के पास 1948 टन सोना गोल्ड रिजर्व हैं। वहीं भारत में आरबीआई के पास 760.40 टन सोना रिजर्व में है। भारत में आज भी पुराने और पुस्तैनी तरीके से सोने की ज्वैलरी घरों में रखने का चलन है। लोग अपनी आने वाली पीढ़ियों को अपने गहने देते हैं। ये चलन सालों से चलता आ रहा है। इसलिए भारतीय बैंकों की तुलना में भारतीय घरों की आलमारी में सोना ज्यादा भरा हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास 760.42 मिट्रिक टन सोने का रिजर्व है जिसकी कीमत 41 बिलियन डॉलर है।

# रंगमय हुआ छिंदवाड़ा शहर

## रंग यात्रा में हजारों की संख्या में युवाओं ने शामिल होकर खेला रंग

**छिन्दवाड़ा ।** रंगों के महापर्व रंग पंचमी पर छिन्दवाड़ा में जमकर रंग गुलाल उड़ा हजारो युवाओ ने एक साथ रंग पंचमी उत्सव की रंग यात्रा में रंग गुलाल के नाच -गाना कर महोत्सव का रंग जमा दिया गांधी गंज से लेकर मानसरोवर तक रंग रैली में रंग ही रंग नजर आए वाटर फायर मशीनों से उड़ता रंग गुलाल माहौल को रंगीन बनाता रहा डी जे बैंड बाजा और धमाल की धुन पर रास्ते भर युवाओ का नाच -गाना रंग उत्सव पर ऐसी रंगीन छाप छोड़ गया कि अब यह शहर हर साल रंग पंचमी की राह देखेगा शहर में यह उत्सव मथुरा ,वृंदावन और इन्दौर की बराबरी पर खड़ा नजर आया रंग पंचमी उत्सव समिति ने अब शहर में इस महोत्सव की परंपरा की भी स्थापना सफलता पूर्वक कर ली है उत्सव में शहर वासियों की भागीदारी युवाओ के उत्साह के साथ आयोजको का जज्बा भी देखने लायक था। रंग पंचमी उत्सव समिति ने गांधी गंज दीनदयाल रसोई प्रांगण में रंग पंचमी के जनक भगवान श्री राधा कृष्ण की पूजा कर रंग गुलाल अर्पित कर महोत्सव का श्री गणेश किया भाजपा के जिला अध्यक्ष विवेक साहू बंटी , कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे सोनू मांगो विजय पांडेय आनंद बक्शी सुरेश अग्रवाल ,राजकुमार अग्रवाल ,रमेश अग्रवाल प्रतीक शुक्ला नरेंद्र जैन अरविंद राजपूत सहित सैकड़ों युवाओ ने गांधी गंज में रंग खेलकर रंग यात्रा की शुरुआत की फिर रंगों का यह खेल रास्ते भर चला यात्रा का कारवां बढ़ता गया और युवा जुटते गए देखते ही देखते हजारो युवा रंग यात्रा में जुटते चले गए पर्व से राजनीति कोसो दूर रही कांग्रेस - भाजपा के नेता कार्यकर्ता भी खुलकर उत्सव में शामिल हुए महिला दल भी रंग यात्रा का नेतृत्व करता चल रहा था। रंग यात्रा गांधी गंज से शुरू होकर शनिचरा बाजार ,चार फाटक ,छोटा तालाब ,पुराना पावर हाउस ,बड़ी माता मंदिर छोटा बाजार ,मेन रोड ,गोलगंज ,इतवारी बाजार ,फव्वारा चौक ,होते हुए मानसरोवर पहुंची जहां डी जे की धुन पर तीन घण्टे से ज्यादा युवाओ का नाच गाना रंग पंचमी महोत्सव के चरमोत्कर्ष को प्रदर्शित कर रहा था ना केवल युवा बल्कि मातृ शक्तियां भी उत्सव में उत्साह के साथ शामिल हुई और नाच -गाना कर रंग पंचमी की खुशियों मनाई रंग यात्रा के रास्ते से लेकर मानसरोवर तक नाचना गाना ऐसा चला कि युवा तो मानसरोवर से जाने को ही तैयार नही दिख रहे थे

## चुनाव के पहले जायेंगे राजस्व अधिकारी

**अधिकांश कमलनाथ की सरकार में आये थे**

**छिंदवाड़ा ।** विधानसभा चुनाव आते ही अधिकारियों के स्थानांतरण की सुगबुहाट प्रारम्भ हो जाती है, जिले के अधिकांश राजस्व अधिकारी कमलनाथ की सरकार में आये थे, जिन्हें हटाया जाना था, किन्तु उन्होने पल्टी खा गये और भाजपा नेताओं के खास हो गये। बताया जाता है कि जिले के अधिकांश डिप्टी कलेक्टर एवं तहसीलदार जिनका प्रमोशन होना है, वे प्रमोशन के बाद छिंदवाड़ा में ही रहने के सपने देख रहें हैं। देखना है कि चुनाव के पहले कितने राजस्व अधिकारियों का स्थानांतरण होता है, अधिकांशों का कार्यकाल 3 वर्षो से ज्यादा का हो गया है।

## नवरात्रि पर्व मनाने हेतु रूप रेखा बनाई

**छिंदवाड़ा ।** माँ दुर्गा गणेश शनि सेवा समिति श्रीश्री सिंह वाहिनी दुर्गा मंदिर पी डव्लू डी परिसर शिवनगर कालोनी में चैत्र नवरात्रि 2023 पर्व हेतु समिति के अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह बैस की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में आगामी नवरात्रि पर्व मनाने हेतु रूप रेखा तैयार की गई और यह निर्णय लिया गया कि 22-03-2023 दिन बुधवार से प्रारंभ इस पर्व पर मनोकामना ज्योति कलश स्थापित किये जाएंगे जिस श्रद्धालु को मनोकामना ज्योति कलश स्थापित करना हो वो मंदिर के पुजारी से सम्पर्क कर अपना नाम लिखवा सकते है। समिति अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बैस ने जानकारी देते हुए बताया कि 22 मार्च दिन बुधवार को गणेश एवं मंडल पूजन सुबह 10 बजे से ओर शाम 6 बजे घट स्थापना ज्योति पूजन की जाएगी। 26 मार्च दिन रविवार को पंचमी पूजन, 29 मार्च दिन बुधवार को दोपहर 2 बजे से हवन ओर हवन के उपरांत कन्या भोज किया जाएगा। 30 मार्च दिन गुरुवार को दोपहर 12 बजे रामजन्म उत्सव ओर शाम 5 बजे घट विसर्जन किया जाएगा। श्रद्धालु भक्त गण दर्शन कर ओर आरती में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करें। प्रतिदिन आरती का समय सुबह 08 बजे ओर शाम 08 बजे रहेगा । बैठक में पंडित राम शर्मा, धनराज यादव, रोमी राय, चुन्नीलाल खुराना, देवेंद्र अग्निहोत्री, विनोद पूरी , दिनेश शुक्ला, कृष्णा राव ताठे, सुशील पटवा, अनिल शुक्ला, एस डी शर्मा , रामचरण साहू ,तथा अम्बिका प्रसाद मिश्रा, सुरेंद्र दुबे मंदिर पुजारी उपस्थित थे ।

## माली समाज विकास परिषद का होली मिलन समारोह व बैठक

**छिंदवाडा ।** जिला माली समाज विकास परिषद के प्रचार मंत्री दिलीप चरपे ने बताया गया कि दिनांक 12.03.23 दिन रविवार को जिला माली समाज के अध्यक्ष भाउराव चरपे के नेतृत्व में माली समाज भवन बरारीपुरा में होली मिलन समारोह एवं कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई । जिसमें समस्त कार्यकारिणी सदस्य व पदाधिकारी एवं सामाजिक लोगों ने भाग लिया । साथ ही कार्यकारिणी की बैठक में आगामी 11 अप्रैल को महात्मा फुले जयंती पर महात्मा फुले भवन लोनिया वार्ड नंबर 40 में मनाये जाने हेतु चर्चा की गई एवं अनेक प्रस्ताव पास किये गये जिनमें महात्मा फुले जयंती की व्यवस्था पूर्व कमेटी यथावत रहेगी, कार्यकारिणी में आंशिक फेरबदल किया गया विजय घोरसे कार्यवाहक अध्यक्ष व बरारीपुरा शहर प्रभारी, तुलसीराम चोरकर संगठन मंत्री, दिलीप चरपे प्रचार मंत्री, संजू चरपे, संपत सेमेकार, मुन्ना चरपे, रामराव सातपुते को लोनिया एवं रोहना क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया गया एवं नामदेव सरोदे को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

### अवैध देशी शराब बरामद

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत ग्राम दुलारा मैं शराब बेचने की शिकायत पर पुलिस द्वारा रेड किया गया ,जहां सुरेश इनवाती नामक व्यक्ति शराब बेचते हुए धर दबोचा गयाद्य सुरेश के पास से 40 पाव देसी प्लेन एवं मसाला के बरामद किए गए पकड़ी गई शराब की कीमत ?2500 रुपए बताई जाती है। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34 /ए /45 मैं प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

## स्वर्णकार समाज ने मनाया होली मिलन एवं महिला दिवस

**छिंदवाडा ।** स्वर्णकार भवन पोआमा में जिला महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज के द्वारा रंगपंचमी होली मिलन बहुत ही धूमधाम से मनाया गया, इस अवसर पर बड़ी संख्या में वरिष्ठ पदाधिकारी, युवा पदाधिकारी एवं महिला पदाधिकारियों के साथ सामाजिक बंधु एवं मात्रशक्तियाँ उपस्थित हुए, एवं रंग गुलाल लगाकर एक दूसरे को शुभकामनाएं दिए।महिला संगठन ने रंगपंचमी के साथ महिला दिवस भी मनाया एवं अपने अपने विचार रखे, एवं महिलाओं को उपहार भी दिए गए।

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

**परासिया ।** विश्व में कामकाजी और गृहणी महिलाओं का त्योहार कई तरह से मनाया जाता हैं, लेकिन समाज में संयुक्त रुप से सभी महिलाओं का कोई दिवस है वो सिर्फ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है,जो सभी महिलाओं को एक सूत्र में बांधता है,वो आठ मार्च को मनाया जाता हैं। उस कार्यक्रम को रविवार के दिन शहीद भवन गुढ़ी अंबाडा में सीटू युनियन ने संयुक्त रूप से जनवादी महिला समिति के साथ आयोजन कर मनाया। कार्यक्रम कि मुख्य अतिथि नीना शर्मा जनवादी महिला समिति अध्यक्षा मध्यप्रदेश तथा अतिथि संध्या शैली राष्ट्रीय पदाधिकारी भोपाल से उपस्थित हुई।

## 1365 जोड़ों का होगा विवाह

### प्रभारी मंत्री कमल पटेल लेंगे भाग

**छिन्दवाड़ा ।** कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गनिर्देशन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत छिंदवाड़ा जिला मुख्यालय पर इनर ग्राउंड में 13 मार्च को आयोजित जिला स्तरीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं । इस विवाह कार्यक्रम में लगभग 1365 जोड़ों का विवाह होगा । प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री कमल पटेल की अगुवाई में प्रात: 12:10 बजे पोला ग्राउंड से बारात प्रस्थान करेगी तथा प्रभारी मंत्री श्री पटेल दोपहर 12:20 बजे इनर ग्राउंड पहुंचकर मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे । अतिरिक्त कलेक्टर ओ.पी.सनोडिया, एसडीएम श्री अतुल सिंह और संपूर्ण कार्यक्रम के प्रभारी अधिकारी एवं आयुक्त नगरपालिक निगम श्री राहुल सिंह द्वारा आज जिला स्तरीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम की सभी तैयारियों और कार्यक्रम स्थल इनर ग्राउंड के साथ ही अन्य स्थलों लाल मैदान, पोला ग्राउंड, टाउन हॉल, हिन्दी प्रचारणी समिति, पटेल मंगल भवन आदि में विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये ।

### वाह रे छिंदवाड़ा मॉडल...

## ऑन लाइन परीक्षा का एक भी सेन्टर जिले में नहीं

**छिंदवाड़ा ।** शिक्षक वर्ग एक-दो, पटवारी एवं वनरक्षक की ऑन लाईन परीक्षा हो रही है, छिंदवाड़ा जिले में एक भी सेन्टर नहीं है, जिससे परीक्षार्थी भोपाल, इन्दौर, जबलपुर परीक्षा देने जाना पड़ रहा है। परीक्षा कर्मचारी चयन मण्डल ले रही है, जिसने जिले में एक भी सेन्टर नहीं बनाया, जिससे परीक्षार्थी बाहर परीक्षा देने जा रहे है। बताया जाता है कि देश एवं प्रदेश में छिंदवाड़ा मॉडल की बड़ी चर्चा होती है, किन्तु परीक्षा सेन्टर न होने से इसे प्रदेश सरकार की असफलता माना जा रहा है। भाजपा एवं कांग्रेस के जन्प्रतिनिधी दोनों ही चुप है, उन्हे या तो पता नहीं या इन्होने कोशिश भी नहीं की कि सेन्टर छिंदवाड़ा में बने, ऑन लाईन परीक्षा सेन्टर कालेज एवं प्राईवेट इन्स्टीट्यूट में बनाये जा सकते है।

## तेन्दुआ ने 2 दिन में दो बछड़ों को बनाया शिकार

**पिंडरई और चिमुआ क्षेत्र में तेंदुआ की मौजूदगी ग्रामीणों में दहशत**

**वन विभाग के अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने की अपील की**

**अमरवाड़ा ।** अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में तेंदुआ के आतंक से ग्रामीण दहशत में है और लगातार तेंदुआ मवेशियों को शिकार बना रहा है 2 दिनों में ही दूसरी घटना सामने आई है।जहां तेंदुआ ने दो बछड़े शिकार किया है जिससे ग्रामीण और किसान अब चिंतित हो चुके हैं हालांकि वन विभाग के अधिकारियों के द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है? दरअसल अमरवाड़ा के ग्राम चिमुआ में कल तेंदुआ ने दस्तक दिया था और बछड़े का शिकार किया था लेकिन बीती रात पिंडरई में तेंदुआ ने बछड़े का शिकार कर उसे घायल कर दिया है।हालांकि इस घटना की जानकारी तत्काल वन विभाग के अधिकारियों को दी गई वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और निरीक्षण कर लोगों को सतर्क रहने की अपील की गई। लेकिन सवाल ये उठता है कि लगातार दो दिनों से तेंदुआ ग्रामीण इलाकों में आतंक मचा रहा है।

## फांसी के फंदे पर लटकती मिली युवक की लाश,

**पांढुर्णा ।** मध्य प्रदेश में लगातार सुसाइड के मामले बढ़ते जा रहे हैं, ताजा मामला छिंदवाड़ा जिले से सामने आया है। पांढुर्णा ब्लॉक के ग्राम चिचखेड़ा पाटी में यात्री प्रतीक्षालय के पीछे एक शख्स की फांसी के फंदे पर लटकी लाश मिली है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। दरअसल, पांढुर्णा के ग्राम चिचखेड़ा पाटी गांव में यात्री प्रतीक्षालय के पीछे एक अज्ञात व्यक्ति फांसी के फंदे पर लटकता मिला। इसकी खबर मिलते ही मौके पर गांव वालों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। मृतक युवक की पहचान नहीं हो पाई है।

## गेहूं की फसल में लगी आग

**ग्रामीणों की मदद से करीब आधे घंटे में पाया आग पर काबू नहीं, पहुंची दमकल**

**अमरवाड़ा ।** करबडोल से दूर बमोरी ग्राम पर अज्ञात कारणों से कामता साहु कैलाश साहू पिता कोमल साहू किसान के खेत में खड़ी गेहूं की फसल में आग लग गई, जिससे करीब तीन एकड़ में गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। गनीमत रही कि खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने जल्द ही आग पर काबू पा लिया,नहीं तो अन्य खेत में भी आग फैल जाती। और बड़ी घटना घटित हो सकती थी वहीं घटना की सूचना के बाद दमकल लेट लतीफ पहुंचा दमकल की जानकारी लगाए तो फायर ब्रिगेड पर ड्राइवर मौजूद नहीं था जिसके कारण घटनास्थल पर पहुंचने पर विलंब हुआ यदि ग्रामीण समय पर आग नहीं बुझा पाते तो काफी नुकसान हो जाता। किसान ने बताया कि लाखों रुपए की नुकसानी आगजनी के कारण हुई है। ग्राम वासियों का कहना है कि बिजली के तार ग्राम के खेतों पर झूलते रहते हैं हवा धुंध के कारण आपस में टकराते हैं जिससे चिंगारी उत्पन्न होती है और सूखी फसल पर आग लग जाती है इसको लेकर भी बिजली विभाग को सूचनार्थ किया गया है लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की जल्द सुधार नहीं की किया तो हो सकती है बड़ी घटना है।

## ज्ञान दान के लिए सम्मानित हुई स्नेहा पाटनी

**छिन्दवाड़ा ।** नगर के अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित स्वाध्याय भवन में बच्चों को संस्कारित करने के साथ जैन दर्शन का बीजारोपण कर क्रमिक अध्ययन कराने के मुख्य उद्देश्य से विगत 30 वर्षों से श्री वीतराग विज्ञान पाठशाला का संचालन किया जाता है। जिसमे वर्ष भर प्रतिदिन रात्रि 7 से 8 बजे तक पाठशाला लगाई जाती है। इस पाठशाला में समज के विध्वतगणों सहित युवक-युवतियां नि:शुक्ल शिक्षण कार्य कर बच्चों में सदाचार का बीजारोपण कराते हैं। पाठशाला में विगत 20 वर्षों से अपनी कुशल सेवाएं देकर जिनशासन की मंगल प्रभावना में अपना अमूल्य समय देने वाली स्नेहा पाटनी को ज्ञान दान के सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए विशेष समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंगलायतन अलीगढ़ से पधारे पं. अशोककुमारजी लुहाड़िया, इंदौर से पं. कांतिलालजी जैन के साथ डॉ. के. सी. जैन एवं मण्डल के ट्रस्टी चुन्नू भैया उपस्थित थे। सभा शुभारंभ मंगलचारण से पाठशाला के विद्यार्थियों ने किया पश्चात समाज के पं. चितरंजन जैन, विमल जैन, वर्धमान जैन, विशाल शास्त्री, श्रीमती वर्षा पाटनी, नीता जैन एवं नैना शास्त्री ने स्नेहा पाटनी के समर्पण भाव से लगन पूर्वक पाठशाला के संचालन सहित विविध कार्यक्रमों की सराहना की।

## पेंशनर्स एसोसिएशन मुख्यमंत्री आवास का करेगा घेराव एवं धरना-रैली

**पेशनर्स एसोसिएशन मासिक बैठक एवं होली मिलन समारोह**

**छिन्दवाड़ा ।** म.प्र.पेंशनर्स एसोसिएशन भोपाल जिला शाखा छिन्दवाड़ा के जिलाध्यक्ष मीर जाहिद अली एवं उपप्रांतीय उपाध्यक्ष के.एस.सेंगर ने बताया कि आज की बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पेंशनरएन.एल.यादव द्वारा की गयी। बैठक में महामंत्री बी.एन. विश्वकर्मा एवं शरद दुबे के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुयी। उपस्थित सभी पेंशनरों का रंग गुलाल लगाकर होली मिलन समारोह सम्पन्न किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष एड.राजकुमार दुबे द्वारा दिये गये संदेश की जानकारी दी गयी जिसमें माह अप्रैल में उग्र धरना, रैली, ज्ञापन किये जाने की रूपरेखा दिनांक 2 अप्रैल 2023 को भोपाल में सभी जिलों के अध्यक्षों की उपस्थिति में बनाये जाने की जानकारी दी गयी। चुनाव के पूर्व लगातार पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा भोपाल में मुख्यमंत्री आवास का घेराव एवं धरने, रैली के आयोजन में प्रत्येक जिले को समय -समय पर भोपाल उपस्थित होकर आंदोलन को सफल बनाना है। दिनांक 27/03/2023 को माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में स्वयंभू प्रांताध्यक्ष ओ.पी. बुधोलिया, श्याम जोशी एवं फर्म्म रजिस्ट्रेशन भोपाल को उपस्थित होकर जबाव प्रस्तुत करना है क्योंकि इनके द्वारा अनाधिकृत रूप से पेंशनर्स एसोसिएशन का नाम एवं रजिस्ट्रेशन उपयोग किये जाने के संबंध में पेशनर्स एसोसिएशन द्वारा इनके विरूद्ध प्रकरण दर्ज कराया गया है। इनके द्वारा न्यायालय में अनुपस्थित रहने, जबाव देने की समयसीमा समाप्त होने पर एक तरफा कार्यवाही होने की संभावना है। दिनांक 28 मार्च को उच्च न्यायालय जबलपुर में न्यायालय के द्वारा पूर्व में दिये निर्णय जिसमें राज्य सरकार को वेतनमान का छटवें वेतनमान का 32 माह का एरियर्स 6 प्रतिशत ब्याज देने के आदेश का पालन ना करने पर अवमानना का प्रकरण पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत किया गया था । इस दिनांक को वित्त सचिव द्वारा उपस्थित होकर उचित जबाव एरियर्स तीन किस्तों में देने हेतु सहमति बनने की पूरी संभावना है। सिवनी विधायक दिनेश मुनमुन राय द्वारा विधानसभा में पेंशनरों की लंबित मांगों के संबंध में प्रश्न उठाया गया, जिला पेंशनर्स एसोसिएशन छिन्दवाड़ा इस प्रयास का स्वागत करता है एवं धन्यवाद प्रस्ताव पारित करता है।

अत: में स्वर्गीय रमाशंकर वर्मा पूर्व तृतीय क्षेणी कर्मचारी संघ के कर्मठ नेता एवं पेशंनर्स एसोसिएशन के वरिष्ठ पेंशनर्स स्वर्गीय मधुकरराव पाटने के आकस्मिक निधन होने पर भावभीनी श्रद्धांजलि दो मिनिट का मौन रखकर एवं परिवार को गहन दुख सहने की ईश्वर से प्रार्थना की गयी। आज की बैठक में मोहम्मद इसराइल ,नादिर सिद्धिकी ,वकील खान ,एस.एन.खुदरेजिया ,मोहन ठाकुर, आर.के.साखरे ,शरद नामदेव ,सोमेश्वर बोरकर ,जयरंजन राजपूत ,एस.के..सोनी ,कृपाराम यादव ,हंसराम अहिरवार ,चन्द्रकिशोर विश्वकर्मा ,नत्थू चांदेकर ,अब्बास खान ,प्रेमलाल काकोड़े , शेख जब्बार मंसूरी ,बालकराम पवार ,के.बी.खंगारे ,राधेश्याम वर्मा ,व्ही..एन.खान ,टी.सी.मेहरोलिया , विनोद पाटिल ,के.के.डेहरिया ,एम.आर.शिवारे ,राजेश देलाखारी आदि पेंशनर्स भारी संख्या में उपस्थित रहे।

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सम्मान समारोह एवं लघु ऋण वितरण

**छिंदवाड़ा ।** जिले की संस्था विकास समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सम्मान समारोह एवं लघु ऋण वितरण समारोह का आयोजन संस्था के कार्यालय विकास समिति रमना गुरैया में महिला सशक्तिकरण अधिकारी श्रीमती मोनिका विषेन के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत लकड़ई जमोहडी की सरपंच श्रीमती प्रेमलता के तेकाम की अध्यक्षता एवं भारतीय स्टेट बैंक कृषि विकास शाखा के ब्रांच मैनेजर श्री विलास एन जोगने व अधिकारी संध्या दुबे के विशेष आतिथ्य में किया गया । कार्यक्रम में 400 महिलाएं स्वयं सहायता समूह की सदस्य उपस्थित रहे मुख्य अतिथि महिला सशक्तिकरण अधिकारी श्रीमती मोनिका विशेष ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन में शक्ति निहित होती है लेकिन समन्वय जरूरी है एवं महिलाओं को सभी क्षेत्रों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना चाहिए यह तभी संभव होगा जब महिलाएं सशक्त होगी महिला सम्मान समारोह में समाज सेवा महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता, के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिला सशक्तिकरण अधिकारी श्रीमती मोनिका विषेन ग्राम पंचायत लकड़ई जमोडी की सरपंच श्रीमती प्रेमलता टेकाम भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारी श्रीमती संध्या दुबे ,श्रीमती मधुश्री जैन, शिक्षिका अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती सुचित्रा सेंडे, ब्लॉक कम्युनिटी मोबिलाइजर सुश्री शीतल बागड़ी सफल व्यवसाई श्रीमती शालिनी श्रीवास्तव सीबीआर वर्कर श्रीमती कांति मरकाम का सम्मान किया गया महिला स्वयं सहायता समूह की उन 15 महिलाओं को सम्मान के साथ पुरस्कृत भी किया गया जो अपने कार्य क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य कर रही है उन्नति कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संस्था द्वारा पांच महिलाएं स्वयं सहायता समूह की 30 महिलाएं को लघु ऋण वितरण मुख्य अतिथि श्रीमती मोनिका विषेन विकास समिति के उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू जैन एवं भारतीय स्टेट बैंक के मैनेजर विलास एन जोगने के हस्ते वितरित किया गया समारोह में विकास समिति के उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू जैन ने संस्था विकास समिति द्वारा की जा रही सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी विकास समिति के उपाध्यक्ष अतुल भार्गव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का आभार प्रदर्शन किया उपरोक्त समारोह में विकास समिति के कोषाध्यक्ष राजीव बिंद्रा सचिव सदस्य सेवक राम सोलंकी श्रीमती सीमा शर्मा श्रीमती सरिता बिंद्रा आदि शामिल थे।

## विधानसभा जाते सीएम, मंत्री और विधायक

## उज्जैन सेंट्रल जेल में जीपीएफ के 12 करोड़ का गबन

### बाबू फरार, जेल अधीक्षक ने मांगा अवकाश

**उज्जैन।** उज्जैन की सेंट्रल जेल भैरवगढ़ और इससे जुड़ी 4 उपजेलों के कर्मचारियों के साथ 12 करोड़ रुपए से अधिक का गबन हुआ है। घटना का पता चलते ही कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने जांच बैठा दी। साथ ही ट्रेजरी ऑफिसर को थाने भेजकर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। केस दर्ज होने का पता चलते ही जेल का एक बाबू घर पर ताला लगाकर परिवार समेत फरार हो गया है। मामला तूल पकड़ते देख रविवार को जेल अधीक्षक उषा राज के छुट्?टी की एप्लिकेशन देने की बात भी सामने आई है। जिला अतिरिक्त कोषालय अधिकारी सुरेंद्र भामर ने भैरवगढ़ थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जेल में अनियमितता और फर्जी

भुगतान के संदर्भ में केंद्रीय भैरवगढ़ जेल में पदस्थ कर्मचारी रिपुदमन सिंह को धोखाधड़ी और अन्य धाराओं में आरोपी बनाया गया है। केस में जेल के अधिकारी की भी भूमिका हो सकती है।

जेल के मुख्य प्रहरी एसके चतुर्वेदी के भविष्य निधि खाते से 12 लाख रुपए और प्रहरी उषा कौशल के जीपीएफ (जनरल प्रोविडेंट फंड) के 10 लाख रुपए निकाल लिए गए। जेल के कर्मचारी रिपुदमन ने यह रकम निकालकर बैंक ऑफ इंडिया भैरवगढ़ के खाते में ट्रांसफर की। ऐसे और भी कर्मचारी हैं, जिन्हें पता ही नहीं चला और उनके आवेदन के बिना ही उनका जीपीएफ का पैसा दूसरे खातों में ट्रांसफर हो गया।

केस की जांच कर रहे भैरवगढ़ थाने के टीआई सत्यनारायण प्रजापति ने बताया, आरोपी बाबू फरार हो गया है। उसके घर पर नोटिस चस्पा किया गया है। उसकी गिरफ्तारी के बाद ही यह पता चल पाएगा कि उसने ये गबन अकेले किया या अन्य लोग भी इसमें शामिल हैं। किन खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, सब कुछ पता किया जाएगा। बैंक खाते सीज कराने से लेकर कॉल डिटेल जांच की भी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

**कलेक्टर बोले, ढाई साल से चल रही थी गड़बड़ी–** कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने बताया रकम बड़ी है। कर्मचारियों के जीपीएफ को मैनिपुलेट कर यह गड़बड़ी की गई है। इसमें एक सिपाही के खिलाफ केस दर्ज किया है। ट्रेजरी से जब पेमेंट होता है तो अकाउंट नंबर का काम जेल अधीक्षक ही करते हैं। ढाई साल से ये सब चल रहा था। अब संज्ञान में आया तो एफआईआर दर्ज कराई गई। भोपाल से आकर एक टीम जांच करेगी। इस संदर्भ में हमने कमिश्नर ट्रेजरी और डीजी जेल से रिक्वेस्ट की है कि इसमें जेल अधिकारी की भूमिका है। जीपीएफ सेंसस कार्यालय प्रमुख ही करता है। इसका बाकायदा आवेदन होता है। बिना आवेदन के उसका पैसा निकल गया। यह मामला बड़ा है। शासन के संज्ञान में ला दिया है। 10 से 12 करोड़ रुपए का घोटाला है और ये गबन ही है। ये राशि और भी बढ़ सकती है। पुलिस एफआईआर के आधार पर अपना इन्वेस्टिगेशन करेगी। जो लिप्त होंगे, कार्रवाई होगी।

## वन कर्मचारियों की सुरक्षा की नीति बनाए सरकार: अशोक पांडे

**भोपाल।** प्रदेश का वन कर्मचारी निहत्था है सरकार ने उसकी सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए हैं ना ही वन कर्मचारी की सुरक्षा की कोई ठोस सुरक्षा नीति बनाई है यहां तक की शासकीय बंदूक आने के 12 साल बाद की बंदूक चलाने का अधिकार वन कर्मचारियों को नहीं दिया गया है जिस कारण प्रतिदिन वन कर्मचारी जंगलों की सुरक्षा करते हुए वन अपराधियों के हमलों का शिकार हो रहा है कल सातवीं बार बुरहानपुर में फिर वन अपराधियों ने वन कर्मचारियों पर प्राणघातक हमला किया है वन कर्मचारियों पर हमले के कारण प्रदेश के वन कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है वन कर्मचारी मंच ने आज मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित करके वन कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए ठोस सुरक्षा नीति बनाने वन कर्मचारियों को बंदूक चलाने का अधिकार देने तथा बुरहानपुर में वन कर्मचारियों पर किए गए हमले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग करी है। वन कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि निहत्था 19000 वन कर्मचारी प्रदेश में वनों एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा कर रहा है लटेरी कांड के बाद वन कर्मचारियों ने अपनी शासकीय बंदूकें 16 अगस्त 2022 को वन विभाग में जमा कर दी थी जो अभी भी जमा है क्योंकि यह अमेरिका वेपंस बंदूक 12 साल पहले सरकार ने मंगाई थी लेकिन इन बंदूकों को चलाने का अधिकार 12 साल बाद भी वन कर्मचारियों को नहीं दिया गया है अब तक प्रदेश के 54 वन कर्मचारी वनों की रक्षा करते हुए अपनी शहादत दे चुके हैं और दो सैकड़ा से ज्यादा वन कर्मचारी वन अपराधियों के प्राणघातक हमले के शिकार हो चुके हैं लेकिन सरकार ने आज तक वन कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए कोई ठोस नीति नहीं बनाई है ना ही सुरक्षा के इंतजाम किए हैं जिस कारण वन कर्मचारी प्रतिदिन जान जोखिम में डालकर वनों की सुरक्षा कर रहा है वन कर्मचारियों की सुरक्षा नीति न होने के कारण बन अपराधियों के हौसले बुलंद है लेकिन अब वन कर्मचारियों ने निर्णय लिया है कि यदि उनकी जान की सुरक्षा के लिए सरकार ने सुरक्षा नीति नहीं बनाई या इंतजाम नहीं किए तथा बंदूक हो वह चलाने का अधिकार नहीं दिया एवं बुरहानपुर हमले की उच्च स्तरीय जांच नहीं कराई तो वन कर्मचारी वन मुख्यालय के सामने गुरुवार को जंगी प्रदर्शन करेंगे तथा वन वल प्रमुख को ज्ञापन सौंपेंगे।

कांग्रेस द्वारा आज राजभवन का घेराव किए जाने को लेकर रंगमहल चौराहे पर भारी पुलिस बल तैनात है। साथ ही बैरीगेट भी लगा दिए गए हैं, जिससे यहां से आगे कोई न जा सके।

## राजगढ़, रतलाम-दमोह के दिन सबसे गर्म, कई शहरों में 4 डिग्री तक उछला पारा

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में बारिश, ओले और तेज आंधी का सिस्टम खत्म होने के बाद तेज गर्मी पड़ना शुरू हो गई है। राजगढ़ में तापमान 38 डिग्री के पार पहुंच गया है। वहीं, रतलाम और दमोह में तापमान 36 डिग्री से ज्यादा है। छिंदवाड़ा, दमोह, राजगढ़ और रतलाम में पारा 4 डिग्री तक उछल गया। इधर, नर्मदापुरम और सागर में रातें सबसे गर्म हैं। यहां तापमान 19 डिग्री के पार चला गया है। सोमवार को भी ऐसी ही गर्मी पड़ने की संभावना है। मंगलवार से मौसम बदलेगा और फिर तापमान में गिरावट होगी।

3 से 10 मार्च तक प्रदेश में सिस्टम एक्टिव होने से बारिश, ओले और तेज आंधी चली थी। सिस्टम खत्म होने के बाद 11 मार्च से गर्मी का दौर शुरू हो गया। पिछले दो दिन से कई शहरों में पारे में तेजी से इजाफा हुआ है। राजगढ़, रतलाम, दमोह, मंडला, धार, खरगोन, खंडवा, खजुराहो, उज्जैन, शिवपुरी, गुना, सिवनी, नर्मदापुरम, ग्वालियर, छिंदवाड़ा, जबलपुर, सागर और उमरिया में दिन का तापमान 34 से 38 डिग्री के बीच चल रहा है। वहीं, रात में नर्मदापुरम, सागर, सिवनी, रतलाम, नरसिंहपुर, सतना, सीधी, गुना में तापमान 17 से 19 डिग्री सेल्सियस के पार है। मौसम विभाग के अनुसार, नए सिस्टम की वजह से 13 मार्च से ही मौसम बदलने लगेगा। बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी और अलीराजपुर में हल्की बारिश हो सकती है।

14 मार्च को भोपाल, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, दतिया, ग्वालियर, शिवपुरी, अशोकनगर, गुना, धार, झाबुआ, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, राजगढ़, रायसेन और विदिशा में बारिश होगी। 15 मार्च से प्रदेश के 25 से ज्यादा जिलों में मौसम का असर देखने को मिलेगा।

**18 मार्च तक मौसम बदला सा रहेगा–** राजधानी में आज तेज गर्मी का असर रहेगा। दिन का तापमान 33 डिग्री और रात में पारा 18 डिग्री तक पहुंच सकता है। इसके बाद 14 मार्च से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा और बादल छा जाएंगे। 15 मार्च को कुछ इलाकों में बारिश होने की संभावना है। 16 से 18 मार्च के बीच शहर में अच्छी बारिश होने के आसार है। इस दौरान तेज आंधी चल सकती है और ओले भी गिर सकते हैं।

## कर्नाटक ब्लास्ट में मध्यप्रदेश के तीन संदिग्धों से होगी पूछताछ

**भोपाल।** कर्नाटक के मंगलुरु में 19 नवंबर 2022 को हुए ऑटो रिक्शा ब्लास्ट मामले के तार मध्यप्रदेश के सिवनी से जुड़े हो सकते हैं। मामले की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने शनिवार को सिवनी के तीन घरों में दबिश दी थी। एनआईए ने यहां संदेही शोएब खान, अब्दुल अजीज सल्फी और अकरम के घर की तलाशी ली थी। टीम ने अकरम को वहीं छोड़ दिया था, जबकि शोएब और अब्दुल को पूछताछ के लिए जबलपुर लेकर गई। दोनों को फिलहाल एनआईए ने छोड़ दिया है, लेकिन अकरम को भी नोटिस देकर पूछताछ के लिए बेंगलुरु बुलाया है। एनआईए तीनों की आईएसआईएस से लिंक और टेरर फंडिंग मामले की जांच करेगी।

असल में मंगलुरु में 19 नवंबर 2022 को 24 साल का युवक ऑटो किराए पर लेता है। ऑटो ड्राइवर से पंपवेल एरिया जाने के लिए कहता है। वहां से कुछ ही दूर जाने के बाद ऑटो में धमाका हो जाता है। इसमें ऑटो ड्राइवर और युवक दोनों घायल हो गए। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि ऑटो में कुकर बम की वजह से धमाका हुआ था। पुलिस ने ऑटो ड्राइवर और घायल युवक के बारे में जानकारी जुटाई तो घायल युवक की पहचान मोहम्मद शारिक के रूप में हुई थी। मोहम्मद शारिक पर पहले से ही टेरर लिंक के कई केस चल रहे हैं। इसी केस में सैयद यासीन, माज मुनीर अहमद नाम के उसके दो साथी भी जांच के दौरान गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

पुलिस के फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी डिवीजन मैसूर के पास मदहल्ली में शारिक के घर पहुंची, जो उसने किराए पर लिया था। यहां से टीम को विस्फोटक बनाने का सामान मिला था। इसमें जिलेटिन पाउडर, सर्किट बोर्ड, बैटरी, मोबाइल, लकड़ी का चूरा, एल्युमीनियम मल्टी मीटर, तार, बोल्ट और प्रेशर कुकर शामिल था। पुलिस ने बताया था कि आरोपी और विस्फोटक बनाने की तैयारी में था। उनके पास भारत का आधा जला हुए झंडा भी बरामद किया गया था।

मामले की शुरुआती जांच कर्नाटक पुलिस ही कर रही थी, लेकिन इसमें जो टेरर का एंगल सामने आ रहा था, उसे देखते हुए केस एनआईए को सौंप दिया गया। टेरर फंडिंग को लेकर फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन का एंगल भी था, इसलिए इस केस से ईडी भी जुड़ गई।

## ट्रेन में तीन टीसी के साथ मारपीट: जनरल टिकट लेकर स्लीपर कोच में बैठे थे 5 यात्री, उतरने का कहा तो मारपीट की

**जबलपुर।** हावड़ा मुंबई मेल एक्सप्रेस में टीसी की कॉलर पकड़कर मारपीट करने का मामला सामने आया है। 5 यात्रियों के ग्रुप ने टीसी के साथ मारपीट की। यात्रियों ने पहले टीसी की कॉलर पकड़ी और मारपीट कर दी। मामला रविवार का है। टीसी ट्रेन में टिकट चेक करने के लिए पहुंचे थे। एस-5 स्लीपर कोच में 5 यात्रियों का ग्रुप बैठा हुआ था। इनके पास जनरल कोच का टिकट था।

**साथी टीसी को भी पीटा–** वही जब टीसी ने उन्हें चालान भरने और जनरल कोच में जाने को कहा, तब यात्री भड़क उठे। टीसी की कॉलर पकड़ी और गाली गलौज करने लगे। जैसे ही इसकी भनक अन्य टीसी को लगी। वह भी मौके पर पहुंचे। इसके बाद यात्री ने अन्य दो टीसी के साथ भी जमकर मारपीट की। इससे टीसी के गर्दन और हाथ में चोट आई है।

**चालान के नाम से भड़का यात्री–** जीआरपी पुलिस के मुताबिक मुंबई हावड़ा एक्सप्रेस में टीसी विनय कुमार रजक टिकट चेक कर रहे थे। इसी दौरान स्लीपर कोच में यात्रा कर रहे यात्री लालजी पटेल और सुमित पटेल से टिकट के बारे में पूछताछ की गई थी। तब उन्होंने कहा की टिकट जनरल कोच की है। वही जब टीसी ने कहा आप को स्लीपर का चार्ज देना होगा। इस बात पर यात्री भड़क गए और कॉलर पकड़कर झूमा झपटी करने लगे।

# बड़े तालाब में जल्द आएगा तैरता रेस्टोरेंट

**भोपाल।** बड़े तालाब घूमने जाने वाले सैलानियों को जल्द ही यहां तैरते हुए यानि फ्लोटिंग रेस्टोरेंट की सौगात मिलेगी। इसके लिए बड़े तालाब में खानूगांव के पास फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का बेस तैयार किया जा रहा है। इसमें खास बात यह होगी कि यह प्रदेश का पहला ऐसा क्रूज होगा, जो इंडियन रजिस्टार आफ शिपिंग से लायसेंस प्राप्त होगा। इसके सभी पुर्जों की जांच मुंबई स्थित लैब में करने के बाद ही इन्हें क्रूज में लगाया जाएगा। सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत इसका संचालन किया जाएगा। इसमें करीब 10 से 12 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अंदर 200 से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। साथ ही यह जीरो वेस्ट पर आधारित होगा। यानि कि कचरे के निष्पादन के लिए क्रूज में ही ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जाएगा, जिससे तालाब में कचरा नहीं होगा।

इस आलीशान क्रूज का काम देख रहे जिला पर्यटन समिति के अधिकारियों ने बताया कि इसमें फाइव स्टार होटल की तरह लोगों को सुविधाएं मिलेगी। इसमें तरह-तरह के कांटिनेंटल फूड, डांस फ्लोर, विशाल स्क्रीन, बच्चों के लिए किड्स जोन और व्यक्तिगत लग्जरी सुइट के साथ अन्य आकर्षण सुविधाएं रहेंगी। पहले इसे खानूगांव के पास बड़े तालाब के किनारे संचालित किया जाना था। लेकिन अब इसमें बदलाव किया गया है। इसके तहत फ्लोटिंग रेस्टोरेंट

अब किनारे पर खड़ा नहीं होगा, बल्कि तालाब के बीचों-बीच तैरेगा। इसमें सैर करने के लिए सैलानियों को छोटी नौका में चढ़कर बीच तालाब तक जाना होगा। इस क्रूज का निर्माण फ्लोटिंग रेस्टोरेंट के तौर पर होने से वायु प्रदूषण भी नहीं होगा। क्योंकि तैरने के दौरान इसकी मोटर बंद रहेगी, केवल किनारे लगाते समय ही इसका इंजन चालू किया जाएगा।

गंगा विलास के रेस्टोरेंट से बड़ा होगा बड़े तालाब का क्रूजः यह क्रूज देश के सबसे बड़े गंगा नदी में उतारे गए गंगा विलास से दो गुना बड़ा होगा, जबकि इसमें चार गुना अधिक लोगों के बैठने की क्षमता होगी। इसकी लंबाई 36.6 मीटर, चौड़ाई 12 मीटर और ऊंचाई 10 मीटर होगी। यह दो मंजिला क्रूज पूरी तरह फाइबर ग्लास से ढंका होगा। जिससे सैलानियों को मौसम का असर नहीं होगा। वहीं फायबर ग्लास लगा होने से लोग पानी को देख तो सकेंगे, लेकिन छू नहीं पाएंगे। क्रूज को कम वजनी स्टील से तैयार किया जाएगा, जिससे हवा की लहरों से यह हिलेगा और ईंधन भी खर्च नहीं होगा।

बड़े तालाब में इस क्रूज के संचालन का जिम्मा कोलकाता की एक निजी फर्म को दिया गया है। यह फर्म केरल की एक शिप बनाने वाली कंपनी से क्रूज का निर्माण करा रही है। इसकी असेंबलिंग के दौरान मूल स्ट्रक्चर में 16 एमएम, आठ, छह और पांच एमएम लोहे की लागिंग ट्यूबनल एवं बेवलाइन का उपयोग किया जाएगा। इससे यह क्रूज आगामी 50 वर्षों तक सुरक्षित रहेगा। इसकी जांच इंडियन रजिस्ट्रार आफ शिपिंग के द्वारा की जा रही है, जो कि देश के बड़े मालवाहक, युद्धपोत, याट और शिप की जांच करता है। सालिड वेस्ट के लिए क्रूज में रहेगा ट्रीटमेंट प्लांटइस क्रूज में सात कंपार्टमेंट बनाए गए हैं। जो पानी की सतह से 1.8 मीटर नीचे रहेंगे। इसमें सूखे और गीले कचरे के लिए ट्रीटमेंट प्लांट भी बनाया जा रहा है। जिससे क्रूज से निकलने वाले कचरे का निष्पादन इसी में हो जाए। इस कचरे से खाद भी बनाई जाएगी, वहीं गंदे पानी का उपयोग सड़कों की सफाई समेत अन्य कार्यों में किया जाएगा।